दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:37 ए एम
सूर्यास्तः 06:59 पी एम
तिथिः प्रतिपदा - 09:52 पी एम तक
नक्षत्रः विशाखा - 09:13 पी एम तक
योगः व्यतीपात - 07:31 ए एम तक
क्षय योगः वरीयान - 05:21 ए एम, मई 07 तक
करणः बालव - 10:31 ए एम तक
पक्षः कृष्ण पक्ष
वारः सोमवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 128 • पृष्ठ 8 • दुमका, सोमवार 08 मई 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

संक्षिप्त समाचार

पुलवामा : छह किलो आईईडी बरामद, आतंकियों का मददगार गिरफ्तार

पुलवामा/एजेंसी। कश्मीर घाटी के पुलवामा में पुलिस और सुरक्षाबलों ने बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम किया है। पुलिस ने यहां एक आतंकी को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही करीब छह किलो आईईडी को बरामद किया है। इस मामले में पुलिस और सुरक्षाबलों की जांच जारी है।

जानकारी के अनुसार, पुलवामा पुलिस ने आतंकी मददगार इश्फाक अहमद वानी को गिरफ्तार किया है। वह पुलवामा के अरिगाम इलाके का रहने वाला है। पुलिस ने उसके खुलासे पर करीब पांच से छह किलो वजनी आईईडी को जब्त किया है। इससे पुलिस ने एक बड़ी आतंकी साजिश को विफल कर दिया है। उत्तर कश्मीर में लगातार तीन मुठभेड़ों के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बता दें कि इन मुठभेड़ों में संयुक्त सुरक्षाबलों द्वारा पांच आतंकवादियों को मार गिराया गया है। अधिकारियों ने कहा कि अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों को जमीनी स्तर पर तैनात किया गया है, हवाई निगरानी के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है।

आतंकवादियों या विस्फोटकों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने से रोकने के लिए स्थापित विभिन्न जांच बिंदुओं पर वाहनों की जांच के लिए खोजी कुत्ते सुरक्षा कर्मियों की सहायता कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा तंत्र को हाई अलर्ट पर रखा गया है क्योंकि कश्मीर इस महीने के अंत में पर्यटन पर जी20 कार्य समूह की बैठक की मेजबानी करेगा।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
59,727.01–183.74 (0.31%)

निफ्टी
17,660.15–46.70 (0.26%)

85 प्रतिशत कमीशन वाली पार्टी है कांग्रेस : पीएम मोदी

बेंगलुरु/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को शिवमोगा में आयोजित एक जनसभा में कर्नाटक को यह विश्वास दिलाया कि राज्य के विकास के जरिए वे यहां की जनता का कर्ज चुकाएंगे. शिवमोगा ग्रामीण में उन्होंने कहा, 'शिवमोगा की इस धरती से मैं पूरे कर्नाटक को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपने मुझे जो प्यार दिया है, आपने मुझे जो आशीर्वाद दिया है मैं कर्नाटक का विकास करके आपको ब्याज समेत लौटाऊंगा.'

कांग्रेस को '85 प्रतिशत कमीशन' वाली पार्टी करार देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि विपक्षी पार्टी ने कभी देश के नौजवानों के बारे में नहीं सोचा और यह भाजपा की ही सरकार है, जिसके रहते पिछले नौ साल में देश में हर दो दिन में एक नया कॉलेज बना और हर सप्ताह एक नया विश्वविद्यालय बना. उन्होंने कहा, ''कांग्रेस ने पांच साल में निजी क्षेत्र में 10 लाख नौकरियां देने का वादा किया है. यानी हर साल दो लाख नौकरियां. कांग्रेस का यह झूठ पकड़ लिया गया है. वह कैसे लोगों को धोखा दे रही है, इससे पता चलता है.''

कांग्रेस ने आस्था के हर प्रतीक को बेहाल छोड़ाः मोदी

● प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर सफेद झूठ बोलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 'कांग्रेस ने अगले पांच सालों में 10 लाख नौकरियां निजी सेक्टर में देने का वादा किया है जो कि सफेद झूठ है। भाजपा सरकार ने कर्नाटक में निवेश बढ़ाने के लिए जो कदम उठाए हैं, उन्हें कांग्रेस खत्म करना चाहती है। आस्था के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए पीएम ने कहा कि भाजपा पुरातन संस्कृति, विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए काम कर रही है लेकिन कांग्रेस इसमें भी तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। कांग्रेस ने हमारी आस्था, आध्यात्म के हर प्रतीक को या तो बेहाल छोड़ा या विवादों में रहने दिया।'

पीएम मोदी का दूसरे दिन मेगा रोड शो, उमड़ी भीड़

बेंगलुरु।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को बेंगलुरु में दूसरे दिन मेगा रोड शो कर रहे हैं. उनका यह रोड शो लगभग 8 किलोमीटर लंबा मेगा है. पीएम मोदी का यह रोड शो केम्पेगौड़ा मूर्ति, न्यू तिप्पासंद्रा जंक्शन से शुरू हुआ, जो कि ट्रिनिटी सर्कल और एमजी रोड तक जाएगा. इसके बाद दोपहर एक बजे वे शिवमोगा में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे. पीएम नरेंद्र मोदी भगवान शिव के दर्शन के साथ ही अपने कर्नाटक चुनाव अभियान का समापन करेंगे. वे शाम 4.45 बजे मैसूर के नंजनगुडू स्थित श्री कंठेश्वर मंदिर में भगवान के दर्शन करेंगे. पीएम मोदी ने शनिवार को भी बेंगलुरु में 26 किलोमीटर लंबा रोड शो किया था. बेंगलुरु दक्षिण के सोमेश्वर भवन आरबीआई ग्राउंड से मल्लेश्वरम के सांके टैंक तक निकाले गए इस रोड शो को पूरा होने में करीब साढ़े तीन घंटे का समय लगा था. बेंगलुरु में सुबह करीब 10.20 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मेगा रोड शो शुरू हुआ. सड़क के दोनों ओर काफी संख्या में लोगों की भीड़ दिखी. लोग पीएम मोदी का स्वागत करते दिखे. पीएम मोदी के रोड शो में स्थानीय लोग तरह- तरह की पोशाक में पहुंचे और डांस किया. बीजेपी कार्यकर्ताओं में इस रोड शो को लेकर खासा जोश देखने को मिला. लोग सड़क पर नाचते और खुशी मनाते दिखे.

'नो कर्फ्यू...नो दंगा, यूपी में अब सब चंगा' : सीएम योगी

लखनऊ/एजेंसी।

नगर निकाय चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार जनसभाएं कर रहे हैं। इसी क्रम में सीएम योगी ने रविवार को बदायूं में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले यहां दंगे होते थे। कर्फ्यू लगता था, अराजकता रहती थी। आज नो कर्फ्यू नो दंगा। यूपी में अब सब चंगा।

मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर दोपहर 1:14 बजे पुलिस लाइन मैदान में उतरा। हेलीपैड पर माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाबो देवी, हरप्रसाद पटेल, राजेश यादव, पूनम यादव समेत कई नेताओं ने उनका स्वागत किया। पुलिस लाइन मैदान से मुख्यमंत्री काफिले के साथ रवाना हुए। वो इस्लामिया इंटर कॉलेज के मैदान में 1.32 पर पहुंचे। एक बजकर 39 मिनट पर उनका संबोधन शुरू हुआ।

परिवारवाद पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पहले परिवारवादी लोग युवाओं के हाथ में तमंचे पकड़वाते थे। आज युवाओं के हाथों में टैबलेट हैं। मुख्यमंत्री ने करीब 10 मिनट तक सरकार की योजनाओं को गिनाया।

Dipendra Singh
9335448671
R.K. Choudhary
8384831556
RK marbles & tiles
मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले
रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

डीडीसी को आवेदन देकर लगाया मनरेगा योजनाओं में अनियमितता बरतने का आरोप

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सरैयाहाट प्रखंड क्षेत्र में मनरेगा योजना में लगातार बरती जा रही अनियमितता को लेकर प्रखंड प्रमुख ललिता मरांडी ने उप विकास आयुक्त दुमका को आवेदन देकर मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। उप विकास आयुक्त दुमका को दिए गए आवेदन में प्रमुख ने अवगत कराया है कि प्रखंड क्षेत्र में मनरेगा योजना में हो रही गड़बड़ी की उनके द्वारा जांच की गई। जिसमें अनियमितता उजागर हुई है। उन्होंने बताया कि 20 मार्च 2023 को ग्रामीणों की शिकायत पर उन्होंने मनरेगा योजनाओं की जांच की थी, मौके पर पंचायत के रोजगार सेवक, पंचायत सचिव, कनीय अभियंता एवं संबंधित जनप्रतिनिधि मौजूद थे।प्रखंड प्रमुख ने बताया कि जांच में आरईओ रोड धनवे से मतरी तक मिट्टी मोरम कार्य में अनियमितता पाई गई। मतरी से कुरमाटिकर तक मिट्टी मोरम रोड निर्माण में भी अनियमितता पाई गई है।आरोप लगाया कि मिट्टी मोरम पथ में लंबाई चौड़ाई की कमी है। बताया कि जोगनी थान से गुरु हांसदा के घर तक मिट्टी कटाई नहीं की गई है। योजना में पंखुड़िया से तिवारी बांध तक की लंबाई में कमी पायी गई।रोशनी देवी के नाम से निर्मित डोभा में अनियमितता पायी गई है।ग्रामीणों ने बताया था कि यह डोभा पूर्व में सुभाष कुमार के नाम से खुदाई हुआ था दोबारा उसी डोभा पर दोबारा फर्जीवाड़ा कर राशि निकासी की जा रही है। छठी योजना निशीकांत राय के घर से बलवाड़ा सीमा तक के मिट्टी मोरम के रोड को अधूरा कार्य कर मनरेगा पोर्टल पर पूर्ण दर्शाया गया है जबकि कार्य अधूरा है

उक्त योजनाओं को लेकर उप विकास आयुक्त से जांच कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है ।जिसकी प्रतिलिपि उपायुक्त दुमका, अध्यक्ष जिला परिषद एवं सदस्य दुमका को भी दी गई है।

लगातार जारी है जय माता दी सेवा समिति का हर रविवार भोजन सेवा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। रविवार भोजन सेवा के निमित्त जय माता दी सेवा समिति की ओर से गरीब असहायों को राजमा,चावल,चिप्स,आचार का भोजन कराया गया।समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार राउत के घर से स्वनिर्मित भोजन शहर के टाटा शोरूम,टीन बाजार,धर्म स्थान,वीर कुंवर सिंह चौक,डी सी चौक,बस स्टैंड,पोखरा चौक इत्यादि जगहों पर टेंपो से घूम घूमकर लगभग 150 गरीब असहायों को उपलब्ध कराया गया। साथ ही डंगाल पाड़ा स्थित ब्लाइंड स्कूल हास्टल में भी सभी को भोजन दिया गया। मौके पर राजेश ने कहा कि कुछ विछिप्तों को खाना खिलाकर मन को बहुत संतुष्टि मिली।कार्यक्रम से मन को बहुत शांति मिलती हैं।कहा कि यह कार्यक्रम 1 जनवरी 2022 से लगभग प्रत्येक रविवार लगातार होता आया है और कार्यक्रम अभी निरंतर चले ऐसा प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में अध्यक्ष की अनुपस्थिति में संदीप कुमार जय बमबम,प्रीतम कुमार ,संतोष ठाकुर,कुंदन कुमार इत्यादि लोगों का कार्य सहयोग रहा।

संक्षिप्त समाचार

वर्ग पंचम से दशम के सभी विधार्थियों को दी जाएगी निःशुल्क शिक्षा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका । गोटा भारोत सिदो कान्हू हूल बैसी दुमका द्वारा गोपीकांदर प्रखंड के ग्राम पंचायत सुरजूडीह में ग्राम प्रधान सुभाष हांसदा के अध्यक्षता में ग्राम सभा आयोजित कर गरीब लाचार ग्रामीण बच्चों के उचित एवं बेहतर शिक्षा हेतु फूलो झानो मुर्मू कोचिंग सेंटर का शुभारंभ किया गया। बता दें कि इस कोचिंग में पढ़ने वाले वर्ग पंचम से दशम के सभी विधार्थियों को निशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी। इस सभा में विषेश रूप से स्थानीय मुखिया ज्योतिष बास्की शामिल हुए। हूल बैसी की ओर से सुलेमान मरांडी ने उपस्थित सभी ग्रामीणों की इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए सराहना की। मौके पर शिक्षक अनिकेत पॉलूस हांसदा,लिलमुनी मुर्मू,फूलमुनि मुर्मू, सरोधिनी किस्कू,फिलिप हांसदा, सुनील मुर्मू,बैरियर सोरेन,करपेन्न हेमब्रम,बेरोनिका सोरेन,साइमन लोहार सहित अनेक लोग उपस्थित थे। सभा का संचालन एवं समापन मखोदी सोरेन के द्वारा सह धन्यवाद के साथ किया गया।

धर्मेंद्र सिंह बिट्टू बने दुमका नगर संयोजक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका ।भारतीय जनता पार्टी दुमका के जिलाध्यक्ष परितोष सोरेन ने बुथ सशक्तिकरण अभियान के सदस्य और भारतीय जनता पार्टी जिला के उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह बिट्टू को दुमका नगर के अंतर्गत आने वाले बूथ कमेटियों के गठन के लिए दुमका नगर का संयोजक घोषित किया है एवं आग्रह पूर्वक निर्देशित किया है कि दो दिनों के अंदर बुथ कमेटीयो के गठन के कार्य को संपन्न करें।

कोयला कंपनियों के विरुद्ध ग्रामीणों द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन को विधायक समेत पूरी झामुमो का समर्थन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । शिकारीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत कोल ब्लॉक आवंटित क्षेत्र को कोयला कंपनी को नहीं देने के ग्रामीणों के पुरजोर विरोध में अब स्थानीय विधायक नलिन सोरेन सहित झामुमो भी शामिल हो गया है। रविवार को सरस डंगाल स्थित पंचायत समाहरणालय परिसर में प्रखंड प्रमुख हुदू मरांडी की अध्यक्षता में कोल ब्लॉक आवंटित गांव के ग्राम प्रधानों एवं ग्रामीणों के साथ स्थानीय विधायक नलिन सोरेन ने बैठक की। बैठक को झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला कमेटी के प्रवक्ता सह केंद्रीय समिति सदस्य मोहम्मद सलाम अंसारी ने संबोधित करते हुए कहा कि हम लोग गरीब जनता का शोषण नहीं होने देंगे। झारखंड में हमारी पार्टी की सरकार है । गुरुजी ने जल जंगल जमीन की लड़ाई लड़कर झारखंड को अलग किया है।हम उसे किसी भी कीमत पर बेकार नहीं जाने देंगे।जान दे देंगे जमीन नहीं देंगे।यदि ग्रामीण अपने क्षेत्र में कोयला कंपनी को जमीन नहीं देना चाहते हैं तो पदाधिकारी किसी भी सूरत में उनकी जमीन नहीं ले सकते।बीडीओ,सीओ एवं थाना प्रभारी ग्रामीणों का शोषण बंद करें।ग्रामीण जो चाहेंगे वही होगा।पूरी झारखंड मुक्ति मोर्चा ग्रामीणों के साथ है ।मैं और विधायक इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री से भी बात करेंगे।वही नलिन सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि मैं हमेशा जनता के साथ हूं जनता जो कहेगी वही होगा।किसी भी कीमत पर हम लोग कोयला कंपनी को जमीन नहीं देंगे। इसके लिए हमें जो भी लड़ाई लड़नी होगी लड़ने के लिए तैयार हैं। पदाधिकारी किसी भी कीमत पर बलपूर्वक जल जंगल जमीन की रक्षा करने वाले आदिवासियों को डरा नहीं सकते।उनकी जमीन भी नहीं ले सकते।मौके पर उन्होंने ग्रामीणों के साथ नारा भी लगाया,पदाधिकारी होश में आओ होश में आओ, कोयला कंपनी वापस जाओ वापस जाओ। बैठक में प्रभावित क्षेत्र के ग्राम प्रधान व ग्रामीणों के साथ झामुमो केंद्रीय समिति के सदस्य आलोक सोरेन, प्रखंड प्रमुख हुदू मरांडी ,सरस डगाल पंचायत की मुखिया फुलीना मरांडी, झामुमो के प्रखंड सचिव प्रभुनाथ हंसदा सहित झामुमो के कार्यकर्ता मौजूद थे।मंच का संचालन झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष चुंडा हेंब्रम ने किया।

विद्यालयों में हो रही अनियमितता की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । सरैयाहाट प्रखंड प्रमुख ललिता मरांडी ने जिला शिक्षा अधीक्षक दुमका से मिलकर प्रखंड क्षेत्र के विद्यालयों में हो रही अनियमितता की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। दिये गये आवेदन पत्र में अवगत कराया है कि 15 मार्च 2023 को ग्रामीणों की शिकायत पर मैंने उत्क्रमित मध्य विद्यालय डुमरथर वन का औचक निरीक्षण किया था। प्रखंड प्रमुख ललिता मरांडी ने जानकारी देते हुए बताया कि मैं तकरीबन 3:00 बजे जांच के लिए विधालय पहुंचीं तो विद्यालय बंद पाया गया। मैने ग्रामीणों के सहयोग से विद्यालय के अध्यक्ष एवं संबंधित पंचायत समिति सदस्य को बुलाया।इस दौरान अध्यक्ष के द्वारा गोदाम का ताला खुलवाया गया। गोदाम खुलवाने पर अध्यक्ष ने कहा कि यह तीन पैकेट चावल पूर्व माह का बचा हुआ है एवं 19 पैकेट चावल अलग रखा हुआ वो इस माह का है । जिसमें पूछे जाने पर अध्यक्ष ने बताया कि यह चावल इस माह के लिए उठाव हुआ है जबकि प्रखंड संसाधन केंद्र सरैयाहाट से 34 पैकेट चावल का उठाव किया गया था। वही अध्यक्ष द्वारा जानकारी दी गई कि कितने चावल का उठाव हुआ है इसकी प्राप्ति रसीद हमें नहीं मिली है और ना ही मैंने हस्ताक्षर किया है। उन्होंने साथ ही कहा कि जो भी करते हैं विद्यालय के प्रधान ही करते हैं।

औचक निरीक्षण के बाद फिर ग्रामीणों ने टेलीफोन के माध्यम से रात्रि 10:00 बजे के करीब जानकारी दी कि बाकी बचे हुए 15 पैकेट चावल को शिक्षक के द्वारा गोदाम में रख दिया गया है। पुनः दूसरे दिन विद्यालय अवधि में चावल को शिक्षक के समक्ष वजन कराया गया जिसमें 101 केजी चावल कम पाया गया।जिसकी जानकारी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को लिखित एवं मौखिक दे दी गई।

कविगुरु रविन्द्र नाथ ठाकुर की 162 वीं जन्म जयंती पर किड्स स्कूल दुमका में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । सृजन छन्द एवं झाड़खण्ड बांगाली समिति दुमका जिला शाखा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को कविगुरु रविन्द्र नाथ ठाकुर की 162 वीं जन्म जयंती के शुभ अवसर पर दो सत्रों मे कार्यक्रम का आयोजन किड्स स्कूल दुमका में किया गया।प्रथम सत्र मे वर्ग 1-5 के जुनियर वर्ग तथा वर्ग 6-12 के सीनियर वर्ग के बीच एक अंकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जुनियर वर्ग के प्रतियोगिता में साक्षी कुमारी प्रथम,रुद्रनील माइति द्वितीय तथा आरोही मुखर्जी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।सिनीयर वर्ग में पीयुष नाग,प्रथम,रुपा कुमारी द्वितीय तथा दक्षिता राज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।दूसरे सत्र में पारितोषिक वितरण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में देवस्मिता कुमारी,शिवागिंणी राय,आयशा दत्त,देवलीना दत्त,वर्षा कुमारी,शातंनु घोष मल्लिक,सौम्या,स्वप्ना दास,मीरा वोस ने एक से बढ़कर एक रवीन्द्र संगीत, कविता आवृत्ति और रवीन्द्र नृत्य पेश कर उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।कार्यक्रम मे स्वागत सबोंधन समिति की अध्यक्ष डॉ बाणी सेनगुप्ता ने किया।मंच संचालन अयन बोस एवम् धन्यवाद ज्ञापन समिति के मुख्य प्रवक्ता-सह-सम्पादक दयामय माजि ने किया। मुख्य अतिथि अब्दुल रइस खान, सी एन मिश्र, दिवाकर महतो ने अपने आशीर्वचन में रविन्द्र नाथ टैगोर के जीवन,सृजन तथा व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला एवम् छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की।

घायल पीड़िता को सीडब्ल्यूसी ने दिया सपोर्ट पर्सन

अस्पताल में जाकर पीड़िता से मिली बाल कल्याण समिति

अस्पताल में ही बयान दर्ज कर पीड़िता का लिया प्रोडक्सन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। बाल कल्याण समिति ने दुमका के फूलो झानो मेडिकल कालेज अस्पताल जाकर घायल किशोरी और उसके परिजनों से मुलाकात की और वहीं किशोरी का प्राडक्सन लिया गया। पीड़िता और उसके अभिभावकों की सहमति से समिति ने इस मामले में सामाजिक कार्यकर्ता शांतिलता हेम्ब्रम को सपोर्ट पर्सन नियुक्त कर दिया है। शनिवार को चेयरपर्सन डा अमरेन्द्र कुमार और सदस्य डा राज कुमार उपाध्याय ने अस्पताल के सर्जरी वार्ड में इलाजरत पीड़िता से मुलाकात की और इलाज के बारे में जानकारी ली। समिति ने पीड़िता, उसके पिता और माता का बयान भी दर्ज किया। उनके पिता को कहा गया कि वह बेटी की पढ़ाई जारी रखें और किसी तरह की कोई भी कठिनाई आती है तो समिति को सूचित करें। सपोर्ट पर्सन नियुक्त करते हुए शांतिलता हेम्ब्रम को अस्पताल बुलवाया गया और उसे पीड़िता के चिकित्सा एवं न्यायालय में बयान दर्ज कराने में सहयोग करने का निर्देश दिया गया। शनिवार को ही पुलिस ने भी पीड़िता का कोर्ट में सीआरपीसी की धारा 164 के तहत बयान भी दर्ज करवाया है। इस मामले में मुफस्सिल थाना पुलिस ने दुष्कर्म का प्रयास करने और विरोध करने पर नाबालिग पर चाकू से जानलेवा हत्या करने के मामले में गरड़ी गांव के राजू टुडू को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया है।

TO-LET
(3600 sq ft)
GROUND FLOOR
7 room late bath attach
SECOND FLOOR
4 room and 1 hall late bath attach
Address-lakhikundi (bridge left side),Dumka
Contact number-7004213289

मनरेगा योजना में अनियमितता को लेकर बीडीओ ने किया तीन अलग-अलग मामला दर्ज

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

हिरणपुर(पाकुड़) । उप विकास आयुक्त के निर्देश पर मनरेगा योजनाओ में वित्तीय अनियमितता को लेकर बीडीओ उमेश कुमार स्वांसी ने शनिवार शाम थाना में तीन अलग अलग मामला दर्ज कराया है। जिसमे कनीय अभियंता , मुखिया , पंचायत सचिव व रोजगार सेवक को आरोपित बनाया है। मनरेगा योजना के तहत बड़तल्ला में 6.13 लाख की लागत से आंगनवाड़ी केंद्र का निर्माण स्वीकृत था। योजना में मिली शिकायत के आलोक में 29.12.2022 को डीडीसी द्वारा गठित जांच दल द्वारा योजना की जांच करने पर पाया कि केंद्र की प्लास्टर का कार्य पूर्ण था व रंगरोगन का कार्य किया जा रहा था। जबकि योजना मद की राशि की निकासी कर ली गई है। इसके बावजूद कार्य को पूर्ण नही कराना वित्तीय अनियमितता को दर्शाता है। इसको लेकर बड़तल्ला पंचायत के मुखिया पकु हेम्ब्रम व पंचायत सचिव जमीन मरांडी के ऊपर मामला दर्ज की गई। उधर मंझलाडीह पंचायत अंतर्गत शहरपुर गांव के मुख्य सड़क से फतेह हांसदा के घर तक 2.49 की लागत से पीसीसी सड़क निर्माण का कार्य 15 वी वित्त आयोग योजना से स्वीकृति दी गई थी। जिसमे सम्पूर्ण राशि की निकासी भी हो गई थी। इस योजना में निर्मित योजना

● डीडीसी के आदेश पर हुई कार्रवाई

की जांच को लेकर 8.4.2023 को गठित जांच दल द्वारा जांच किये जाने पर पाया कि जेई प्रेमचंद टुडू द्वारा 183 फिट निर्माण कार्य की मापी पुस्तिका में दर्ज की गई है। जबकि निर्माण कार्य 142 फिट तक की गई है। जो वास्तविक कार्य से अधिक का मापी पुस्तिका में दर्ज किया गया है। साथ मंझलाडीह पंचायत के मुखिया वकील मरांडी व पंचायत सचिव लोगेन मरांडी के द्वारा योजना में प्राक्कलन के अनुरूप कार्य नही कराया गया है। वास्तविक कार्य का जांच किये बिना ही मापी पुस्तिका में दर्ज सम्पूर्ण राशि का भुगतान किया गया है।जो घोर वित्तीय अनियमितता को दर्शाता है। मनरेगा योजना के तहत डांगापाड़ा में बिरसा राय के जमीन पर सिचाई कूप निर्माण कार्य की मिली शिकायत के आलोक में डीडीसी द्वारा 10.1.23 को गठित जांच दल द्वारा योजना कार्य का जांच किया गया था। जांच में निर्मित कूप की गहराई 17 फिट , व्यास 14 फिट , ब्रिक मशीनरी वर्क 10 इंच मोटाई पाया गया था। जो प्राक्कलन अनुरूप नही पाया गया। जांच में कूप निर्माण की वास्तविक लागत 1,01,107 रुपये पाया गया। जबकि मापी पुस्तिका के विपत्र में 2,58,353 रुपये दर्शाया गया है। जो वास्तविक लागत से 1,57,246 रुपये अधिक है। योजना कार्य वर्ष 2019 -20 की है। जिसका प्राक्कलित राशि 4. 84 लाख है। इसमें जेई प्रेमचंद टुडू, पंचायत सचिव रितेश कुमार, पूर्व मुखिया शर्मिला हेम्ब्रम व रोजगार सेवक कोर्नेलियुस टुडू द्वारा मिलीभगत से योजना कार्य से अधिक राशि की निकासी की गई है। जो वित्तीय अनियमितता को दर्शाता है। इस सम्बंध में प्रभारी थाना प्रभारी विनोद सिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। इसको लेकर सघन जांच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

हाईवा के चपेट में आने से तकनीकी सहायक की मौत

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । पाकुड़िया से रामपुरहाट जानेवाले पीडब्लूडी पथ पर थाना क्षेत्र के मटियाचुआं गांव में रविवार की सुबह करीब आठ बजे गिट्टी लदे हाईवा की चपेट में आने से पाकुड़िया पशु चिकित्सालय में पदस्थापित तकनीकी सहायक हेमंत कुमार सिंह की दर्दनाक मौत हो गई। 52 वर्षीय हेमंत कुमार सिंह गोड्डा जिला के लोहियानगर निवासी बताए जाते हैं। वे 2017 से पाकुड़िया पशु चिकित्सालय में कार्यरत थे। घटना के बारे में बताया जाता है कि दैनिक दिनचर्या के क्रम में वे रविवार की सुबह अपना काले रंग का एक्सट्रिम मोटरसाइकिल से किसी मवेशी के ईलाज के लिए बनडिगा गांव गए हुए थे, वहां से पशु का ईलाज कर लौटने के क्रम में मटियांचुआं गांव के पास उनका मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गया, वे सड़क पर गिर पड़े तथा हाईवा की चपेट में आ गए। इस दौरान हाईवा उनको कुचलते हुए आगे निकल गई और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दोनो एक ही दिशा से पाकुड़िया की ओर आ रहे थे। ग्रामीणों ने भाग रहे हाईवा को घटनास्थल से कुछ दूर आगे रोक दिया और पुलिस को सूचना भेजा। इधर सूचना मिलते ही पाकुड़िया पुलिस घटना स्थल पहुंची और जे एच 04जेड 6700 नंबर की गिट्टी लदे हाईवा को कब्जे में ले लिया और घटना की जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए पाकुड़ भेज दिया। सूचना मिलने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार एवं अंचलाधिकारी किरण डांग भी घटनास्थल पहुंचकर जानकारी ली। थाना प्रभारी अभिषेक राय ने बताया कि सड़क दुर्घटना में हाईवा की चपेट में आने से पशु तकनीकी सहायक हेमंत कुमार सिंह की मृत्यु हो गई है,हाईवा को जब्त कर लिया गया है। आगे विधि सम्मत कार्यवाई की जाएगी।

गोवंश से भरा मिनी ट्रक पकड़ा, ड्राइवर मौके से फरार

● पुलिस ने मवेशी लदे पिकअप वैन को किया जब्त

हिरणपुर(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । पुलिस निरीक्षक सुरेंद्र रविदास ने रविवार को रानीपुर चेकनाका निकट 9 मवेशी लदे बोलेरो पिकअप वैन को जब्त किया। वही इस दौरान वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस निरीक्षक लिट्टीपाड़ा से अपने सरकारी वाहन से हिरणपुर की ओर आ रहा था. इस बीच एक बोलेरो पिकअप वाहन नम्बर जेएच 04 जेड 4352 ओभरटेक करते हुए तेजी से हिरणपुर की ओर जाने लगा। इसको लेकर पुलिस निरीक्षक ने पीछा करते हुए चेकनाका में वाहन को पकड़ा। वाहन में आठ गाय बैल व एक बैल को रखा गया था। जिसे बंगाल की ओर ले जाना था। मवेशियों को लेकर किसी प्रकार की कागजात नही पाया गया। वाहन लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत फूलपहाड़ी निवासी मंसूर अंसारी का बताया जा रहा है। इस सम्बंध में पुलिस निरीक्षक ने बताया कि लिट्टीपाड़ा से वाहन की पीछा करते हुए रानीपुर चेकनाका में पकड़ा गया। जो गैरकानूनी रूप से वाहन में लादकर मवेशियों को ले जाया जा रहा था। इसको लेकर गहन छानबीन की जा रही है। इसमे संलिप्त लोगो के ऊपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विदित हो कि मवेशी तस्करी का यह धंधा वर्षो से अनवरत जारी है। इसमे हिरणपुर, लिट्टीपाड़ा सहित अन्य जगहों के लोग भी शामिल है, जो मवेशी तस्करी में जुड़े हुए है।इसके पूर्व भी पुलिस ने कई बार कार्रवाई किया था, पर यह धंधा बदस्तूर जारी है। हिरणपुर साप्ताहिक हाट के दिन तो इस अवैध धंधे में जुड़े लोग बेखौफ होकर मवेशी तस्करी को अंजाम देने में लगे हुए है। जहां वाहनों में भी मवेशी लादकर बंगाल भेजा जा रहा है।

डीबीएल कंपनी के डंपर के द्वारा व्यक्ति की मौत

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के रंगा टोला में बीते दिन शुक्रवार को धनवा तुरी को डीबीएल कंपनी के डंपर के द्वारा दुर्घटनाग्रस्त कर उसे मौत के घाट उतार दिया गया। जब दुर्घटना घटी थी वह व्यक्ति घायल थे और तड़प रहे थे उसे किसी ने बचाने का प्रयास नहीं किया ना ही मौके पर एंबुलेंस बुलवाकर उसे उपचार हेतु हॉस्पिटल ले जाया गया खून से लथपथ शरीर तथा दर्द से व्यक्ति तड़प रहा था अंत में अपना वह प्राण त्याग दिए सही समय पर उपचार की व्यवस्था होती तो उसकी जान भी बच सकती थी। चूंकि वह एक गरीब कमजोर दलित व्यक्ति था उसे क्या पता था कि मरने के समय भी मुझसे छुआछूत एवं ईर्ष्या का भेदभाव रखी जाएगी। इसी वजह से कोयला कंपनी के लोग उस दलित को किसी भी तरह का कोई मुआवजा ना ही कोई सुविधा दिया गया और ना ही क्षेत्र के स्थानीय विधायक एवं सांसद तथा बड़े-बड़े राजनीति दल के लोगों के द्वारा कोई भी सुध लेने नहीं पहुंचा दलित से इतनी ईर्ष्या की 36 घंटे के बाद भी उनकी अंतिम संस्कार ना हो पाई है. बीजीआर कोयला कंपनी तथा डीवीएल कोयला कंपनी कोयला उत्खनन करके डंपर के द्वारा ओवरलोड कोयला इसी जिले से ले जाकर बाहर करोड़ों अरबों रुपया में बेचकर मुनाफा कमाते हैं यहां के स्थानीय बेरोजगारों को आज तक रोजगार नहीं दे पाई है नाही हॉस्पिटल बनाया उनके द्वारा गया है और घायलों के इलाज हेतु न ही एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है अगर कोई व्यक्ति डंपर से दुर्घटना हो जाए तो सही समय पर उसे एवं एंबुलेंस से उपचार हेतु हॉस्पिटल ले जाया सके. राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के जिला अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह के द्वारा उक्त घटना से संबंधित राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग दिल्ली तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एवं महामहिम राष्ट्रपति महोदय को लिखित शिकायत पत्र भेजी जाएगी भगवान धनुआ तुरी की आत्मा को शांति प्रदान करें भगवान से यही प्रार्थना करूंगा।

अभाविप के कार्यकर्ताओं ने आगामी कार्यक्रम को लेकर चर्चा की

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का एक महत्त्वपूर्ण बैठक नगर मंत्री सुरोजित मंडल की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अंकित साहा, नगर अध्यक्ष तपन सर, विशेष आमंत्रित सदस्य अमन ठाकुर मौजुद रहे, बैठक में कुछ दिन पूर्व हिरणपुर में हुए नगर अभ्यास वर्ग की चर्चा किया गया. साथ ही तपन सर ने बताया विद्यार्थी परिषद् में जुड़ने के फायदे बताए और बताए की किस प्रकार परिषद को मजबूत बनाए और परिषद को आगे बढ़ाए। वहीं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अंकित साहा ने सबके सामने आगामी कार्यक्रम को लेकर चर्चा किया ।

मौके पर नगर मंत्री सुरोजित मंडल नगर अध्यक्ष तपन सर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अंकित साहा, विशेष आमंत्रित सदस्य अमन ठाकुर, नगर सह मंत्री सुलभ मंडल, सुप्रिया कुमारी, नगर छात्रा प्रमुख भाग्यश्री कुमारी, नगर कलामंच प्रमुख बेहुला कुमारी, खुसबू कुमारी, खेल मंत्री अमन भगत, महाविद्यालय अध्यक्ष शयाम दे, उपाध्यक्ष देव मंडल, नगर कार्यालय मंत्री अंकित ठाकुर, नगर कार्यकारणी सदस्य आलोक साहा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिवंगत की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । झामुमो जिला अध्यक्ष शयाम यादव एवं पार्टी के अन्य पदाधिकारी गण रांची स्थित शिवपुरी कॉलोनी मैं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सलाहकार अभिषेक प्रसाद पिंटू के पूजनीय माता स्वर्गीय विमला देवी का श्राद्ध कर्म मैं उपस्थित होकर उनके चित्र पर पुष्प दे कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया और दिवंगत की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना किया.

07 किशोरियों को रांची से पाकुड़ वापस लाया गया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः । मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सार्थक पहल से निर्देशक, झारखण्ड राज्य बाल संरक्षण संस्था, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड, रांची एवं उपायुक्त वरुण रंजन के निर्देशन में जिलान्तर्गत कुल 07 किशोरियों को रांची से प्राप्त कर वापस पाकुड़ जिला लाकर उनके परिवार जनों को सौंप दिया गया। विदित हो कि जिलान्तर्गत लिट्टीपाड़ा प्रखण्ड की कुल 07 किशोरियों को काम दिलाने के बहाने बैंगलोर ले जाया गया था। सभी किशोरियों को पुलिस अभिरक्षा में स्थानीय बालिका आश्रय गृह में आवासित किया गया था। माननीय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विभागीय पहल से सभी किशोरियों को बैंगलोर से एयरलिफ्ट कराते हुए दिनांक 05/05/23 को वापस रांची लाया गया। उपायुक्त वरुण रंजन के निर्देश में जिला स्तरीय टीम गठित करते हुए सभी किशोरियों को दिनांक 06/05/23 को प्रेमाश्रय, बालिका गृह, रांची से प्राप्त कर वापस पाकुड़ लाया गया। सभी किशोरियों को बाल कल्याण समिति, पाकुड़ के समक्ष प्रस्तुत करते हुए आवशयक कार्रवाई के उपरांत उनके परिजनों को सौंप दिया गया। सभी किशोरियों की काउंसेलिंग करते हुए उनके व्यक्तिगत देखरेख योजना, पुनर्वास एवं उनके परिवार को विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभांवित करने हेतु बाल कल्याण समिति, जिला बाल संरक्षण इकाई एवं विभिन्न संबद्ध विभागों के साथ समन्वय स्थापित किए जा रहे हैं। सभी 07 किशोरियों को रांची से पाकुड़ वापस लाने में व्यास ठाकुर, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, विनय कुमार शर्मा, विधि-सह-परवीक्षा अधिकारी, जसिता सोरेन, आउटरीच वर्कर, पाकुड़ सहित जिला पुलिस बल के कर्मियों की सक्रिय भूमिका रही।

राजमहल को उन्नत लोकसभा बनाना मोदी सरकार का लक्ष्य- बाबूधन मुर्मू

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। राजमहल प्रभारी भाजपा सह पूर्व ज़िप अध्यक्ष पाकुड़ बाबूधन मुर्मू आपने साहेबगंज दौरे के तहत साहेबगंज उपायुक्त से मिलकर साहेबगंज ज़िले में चल रहे सरकारी योजनाए की जानकारी । मुर्मु जी ने उपायुक्त महोदय से मनरेगा, हर घर जल, प्रधान मंत्री आवास, सड़क, 15 वित्तीय आयोग के स्कीम, ट्रैफिक सिस्टम, साहेबगंज ब्रिज कार्य प्रगति, नमामि गंगे, पाकुड़ राजमहल मुख्या सड़क के गुमानी बरहरवा खंड के सड़क का चौड़ीकरण, साहेबगंज बन्दरगाह, अदि विषयो पर एक एक कर चर्चा किया। मुर्मू ने उपयुक्त को राजमहल मुख्या सड़क की बदहाली, जनजाति गॉव के विकाश, साहेबगंज एवं बरहरवा में ट्रैफिक जाम से निज़ात का मास्टर प्लान, पाकुड़ राजमहल मुख्या सड़क के गुमानी बरहरवा खंड के सड़क का चौड़ीकरण, बरहरवा प्रखंड से 15 वित्तीय योजना, मनरेगा एवं प्रधान मंत्री आवास ग्रामीण में मिल रहे शिकायतो पर उपायुक्त का ध्यान आकर्षित किया जिसपर उपयुक्त रामनिवास यादव ने त्वरित शिकायत के निष्पादन का भरोसा दिया। श्री मुर्मू ने भीसन गर्मी को देखते हुए ज़िले के सभी सरकारी चापानल, सोलर आधारित जलापूर्ति योजनाओ को दुरुश्त करने का आग्रह उपायुक्त महोदय से किया साथ ही साहेबगंज ज़िले के बरहरवा प्रखंड से पाकुड़ के हिरणपुर प्रखंड को पेयजलापूर्ति योजना का भी जानकारी लिया।

अपराधियों ने अब आलुबेड़ा के जॉन हांसदा के घर के पीछे बम फेका

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत आलूबेड़ा गांव के जॉन हांसदा के घर के पीछे अज्ञात अपराधियों ने एक बम फेंका कर फरार हो गया। सूत्र प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते देर रात को अज्ञात अपराधी आलूबेड़ा गांव पहुंच कर जॉन हांसदा के घर के पीछे एक देसी सुतली बम फेंक कर जंगल की ओर भाग गया। इस घटना से कोई हताहत नहीं हुआ है. जानकारी के अनुसार शनिवार देर रात 11 बजे जब घर के सभी सदस्य सो रहे थे। इसी दौरान अपराधियों ने घर के पीछे आए और एक बम फेंक कर दहशत फैला दिया। बम फटने के आवाज

सुनकर लोगों की नींद खुली वह घबराकर ग्रामीणों के साथ इधर-उधर छानबीन करने लगे। गांव में दहशत फैलाने के मंसूबे को लेकर अपराधियों ने आलुबेड़ा गाँव में लगातार इस तरह के घटना को अंजाम दे रहे है. यह घटना को लेकर आलुबेड़ा गाँव में तीन बार अपराधियों ने देसी सुतली बम फेंका है, कोई हताहत नहीं हुआ है.

इस संबंध में पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव ने बताया की जानकारी तो है लेकिन कोई अभी तक लिखित आवेदन नहीं दिया गया है. लेकिन फिर भी पुलिस के द्वारा इस मामलें में गंभीर है. जाँच की जा रही है.

सेंगेल अभियान की संताल पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था को तोड़ने वाली मानसिकता के विरुद्ध हुई बैठक

एसपीटी एक्ट को बरकरार रखने अथवा उग्र आंदोलन का लिया गया निर्णय

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । संताल पारंपरिक वंशानुगत स्वशासन व्यवस्था, एसपीटी एक्ट, देवनागरी और ओलचिकी लिपि इत्यादि आदिवासी हित रक्षक अहम बिंदुओं से संबंधित विषय पर एक बैठक सलपतरा गांव में हुई। बैठक में विभिन्न गांवों के ग्रामप्रधान, शिक्षक, प्रबुद्ध सहित ग्रामीण आदि शरीक हुए। सबों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि संताल परगना में देवनागरी लिपि को हमारा संताल समाज अपनाएगा। चूंकि, संताल परगना में हमारे संताल नायक सिदो-कान्हू, तिलकामांझी ने संताल विद्रोह किया है। सफाहोड़ का भी आंदोलन हुआ है। संताल परगना में मांझी परगना व्यवस्था है। संताल के नाम ज़िला और प्रमंडल है। झारखंड में संताल क्रमांक 1 में है। यहां का संताली व्याकरण शुद्ध है। जबकि उड़ीसा के संतालों ने न तो कोई विद्रोह किया है न ही संताल के नाम कोई जिला प्रमंडल है। उड़ीसा में सरकारी स्तर पर मांझी परगना व्यवस्था है। वहां की राज्य भाषा ओलचिकी संताली नहीं बल्कि उड़िया है। वहां का संताली व्याकरण अशुद्ध है। वहां संताल एसटी क्रमांक - 58 में हैं। ऐसे में झारखंड के संताल समाज को बेवकूफ बना ओलचिकी लिपि लागू करने की मानसिकता को सफल नहीं होने देंगे। संताल परगना के संतालों का कस्टमरी लॉ है। यहां पति - पत्नी अलग अलग टाइटल (परिश) के होते हैं जबकि उड़ीसा में ऐसा कुछ भी नहीं है। संताल परगना और उड़ीसा में संताली भाषा में भी समानता नहीं है। संताल में विशेष कानून एसपीटी एक्ट है जबकि उड़ीसा में संताल के लिए कोई एक्ट नहीं है। संताल परगना1855 में बना जबकि उड़ीसा 1936 में बना। ओलचिकी उड़िया और बंगला का मिश्रण है जबकि संताली देवनागरी और रोमण के उच्चारण से बोली जाने वाली भाषा है। संताल और उड़िया नृत्य - गीत में भी विभिन्नता है। संताल के संताली नृत्य - गीत में मिठास है। यहां सोहराय पांच दिनों का होता है जबकि उड़ीसा में तीन दिनों का। बैठक के दौरान सबों ने खेद प्रकट करते हुए यह प्रस्ताव भी लिया कि झारखंड अथवा संताल परगना प्रमंडल में जो पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था सदियों से वंशानुगत रूप से चली आ रही है उसे सालखन मूर्मू और सेंगेल अभियान खत्म करने की साजिश कर रहे हैं। सबों ने बैठक के दौरान यह निर्णय भी लिया कि यदि इस पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था से छेड़ छाड़ की जाती है तो पूरे संताल प्रमंडल में उग्र आंदोलन होगा। यहां एसपीटी एक्ट एक ऐसा हथियार है। जो जल, जंगल , जमीन सहित आदिवासी हित का रक्षक है। इसे किसी भी सूरत में बरकरार रखना है। बैठक में यह बात भी सामने आई कि संताल समुदाय धार्मिक स्थलों, देवी देवताओं सहित पूर्वजों को जलार्पण नहीं, हड़िया द्वारा चोडोर करने की परंपरा रही है। बैठक की अध्यक्षता साहेबजन मरांडी ने किया जबकि इस दौरान सिजुआ, पिपरजोरिया, डूमरचीर, बिशनपुर, पाडेरकोला, बिशनपुर , जोरारो सहित सलपतरा व अन्य दर्जनों गांवों के पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था के पदधारी, बुद्धिजीवी और ग्रामीण मौजूद थे।

12वीं झारखंड राज्य स्तरीय सीनियर ओपन एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2 जून से 4 जून तकः अम्लान कुसुम सिन्हा

राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता से पहले जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 21-22 मई को होगा : अर्धेन्दू शेखर गांगुली

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । जिला स्तरीय स्टेडियम बैंक कॉलोनी पाकुड़ में पाकुड़ जिला एथलेटिक्स संघ के तत्वाधान में बैठक आयोजित की गई! उक्त बैठक की अध्यक्षता पाकुड़ जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष अम्लान कुसुम सिन्हा ने की बैठक में मुख्य रूप से झारखंड एथलेटिक्स संघ द्वारा पाकुड़ जिले में आगामी 2 से 4 जून को 12वीं राज्य स्तरीय सीनियर ओपन एथलेटिक्स प्रतियोगिता कराने का निर्देश प्राप्त हुआ है। उक्त राज्य स्तरीय प्रतियोगिता को सफल बनाने हेतु। विचार विमर्श किया गया। बैठक में सफल आयोजन के लिए रूपरेखा तय की गई एवं पाकुड़ जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव रणवीर सिंह द्वारा बैठक में उपस्थित संघ के पदाधिकारी को बताया गया कि झारखंड एथलेटिक्स संघ द्वारा राज्य स्तरीय सीनियर ओपन एथलेटिक्स प्रतियोगिता आयोजित करने को लेकर पत्र प्राप्त हुआ है ।और उक्त आयोजन को दिनांक 2 जून से 4 जून तक पाकुड़ जिले में जिला स्तर स्टेडियम बैंक कॉलोनी पाकुड़ मैं आयोजित करनी है। प्रतियोगिता में झारखंड राज्य के सभी जिले से लगभग 18 साल से ऊपर के बालक /बालिका /महिला/ पुरुष 600 खिलाड़ी भाग लेंगे । तथा 50 राज्य स्तरीय तकनीकी पदाधिकारी भी सफल आयोजन

● राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में कई सीनियर राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी लेंगे भाग

कराने हेतु भाग लेंगे। श्री सिंह ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता से पहले 21 और 22 मई को जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएग जिसमें पाकुड़ जिले के विभिन्न प्रखंडों के खिलाड़ी एवं विद्यालय/ महाविद्यालय के खिलाड़ी भाग लेंगे। उक्त जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जो भी खिलाड़ी पदक हासिल करते है। वह खिलाड़ी। राज्य स्तर प्रतियोगिता में भाग लेंगे! बैठक पर कई बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया। पाकुड़ जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष अम्लान कुसुम सिन्हा उर्फ बुल्टी दा, जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष अर्धेन्दू शेखर गांगुली, जिला एथलेटिक्स संघ सचिव रणवीर सिंह, उपाध्यक्ष जयदेव कुमार मंडल, सुजीत विद्यार्थी, सुभान सोरेन, अशोक कुमार सिन्हा, पंकज अग्रवाल, नारायण चंद्र रॉय, राजेश कोल(प्रशिक्षक) भैरव चुंडा मुर्मू, मृणाल चौरसिया अंजू मंडल, सफा बास्की, लखन कुमार सिंह, अईआ शेख, फुलकुमारी मड़ैया, चांद मुनि चौड़े, तारा मुर्मू, प्रवीण कुमार आदि खेल संघ के पदाधिकारियों तथा खेल प्रेमी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड श्रमिक संघ संबंध झारखंड मुक्ति मोर्चा की हुई बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जमशेदपुर। रविवार को झारखंड श्रमिक संघ संबंध झारखंड मुक्ति मोर्चा का एक बैठक रखा गया 'बैठक झारखंड श्रमिक संघ संबंध झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रदेश महासचिव शैलेंद्र कुमार मेथी के निर्देशानुसार बीते 1 मई को मजदूर श्रद्धांजलि सह नमन दिवस के समीक्षा के लिए रखा गया उक्त बैठक में श्रमिक संघ के सभी कार्यकर्ता एवं मुख्य रूप से शैलेंद्र कुमार मेथी उपस्थित हुई है जिसमें अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा किया गया तथा आगामी 24 मई को नियोजनालय चांडिल कार्यालय में जन प्रदर्शन सह प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं झारखंड के मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा '

मिशन लाइफ कैंपेन 2023 एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत हुआ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

उप विकास आयुक्त प्रभात कुमार बरदियार ने किया कार्यक्रम का उद्घाटन

बिजली घाट में घाट पर हाट, चित्रांकन प्रतियोगिता एवं क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

साहेबगंज। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन अंतर्गत जिले में 3 मई से 5 जून तक गंगा स्वच्छता, जलीय जीवों के संरक्षण एवं गंगा के तटीय इलाकों की साफ-सफाई के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से मिशन लाइफ कैंपेन 2023 का आयोजन किया जा रहा है एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तत्वाधान में 29 अप्रैल से 15 मई तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है।इसी कड़ी में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के संयुक्त तत्वाधान से शहर के बिजली घाट में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उप विकास आयुक्त प्रभात कुमार बरदियार द्वारा किया गया।जहां स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, भारतीय वन्यजीव संस्थान गंगा संरक्षण आदि के लिए स्टॉल लगाए गए थे इस क्रम में उप विकास आयुक्त ने बारी-बारी सभी स्टॉल का निरीक्षण किया।आपको बता दें कि कार्यक्रम के तहत भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा जलकुंभी से बनाए गए उत्पाद बांस एवं हस्त निर्मित उत्पाद आदि आकर्षण का केंद्र रहा।स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा कार्यक्रम में फूड स्टाल भी लगाए गए हैं जबकि गंगा संरक्षण एवं जैवविविधता संबंधित जानकारी भी उपलब्ध कराई गई।वहीं पलाश मार्ट अंतर्गत विभिन्न उत्पादों का निर्माण कर इसे बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार की पहल को साकार करते हुए महिलाओं द्वारा स्टाल लगाए गए कार्यक्रम में किसानों द्वारा प्राकृतिक खेती कर उगाई गई सब्जी जैविक खाद एवं आदि के स्टाल लगाया गए।मिशन लाइफ कैंपेन 2023 एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों को छात्र छात्राओं के बीच चित्रांकन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जबकि कोई एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ बच्चों ने चित्रकला के माध्यम से गंगा एवं गंगा तटों की सफाई क्यों आवश्यक है यह दर्शाने का प्रयास किया।इसके अलावा संध्या को महा गंगा आरती एवं भजन संध्या का आयोजन भी किया जाएगा।इस दौरान उप विकास आयुक्त के अलावे, जिला योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित, गंगा समिति के सदस्य प्रो डॉ रणजीत कुमार सिंह, सोशल मीडिया पब्लिसिटी ऑफिसर रोशन रंजन, जेएसएलपीएस के कर्मी गण, स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक राहुल कुमार, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, नेहरू युवा केंद्र के कर्मी गण, गंगा प्रहरी, एनएसएस वॉलिंटियर, स्काउट गाइड एवं अन्य उपस्थित थे।

नटवरलाल समान प्रेम की लूट प्रेम लीला न जाने और कितने को जेल पहुंचवाएगा : बाबूलाल मरांडी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

रांची । भाजपा विधायक दल के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य में सत्ता संपोषित भ्रष्टाचार, भ्रष्ट अधिकारियों दलालों,बिचौलियों के गठजोड़ पर कड़ा प्रहार किया। मरांडी ने कहा कि झारखण्ड में जमीन लूट का मास्टरमाइंड छवि रंजन हर अंचल से ढाई लाख रुपये की फिक्स्ड रिश्वत लेता था, जाहिर है अंचलाधिकारी उससे कहीं ज्यादा वसूल कर अपना कट काट कर साहेब को चढ़ावा देते होंगे. 263 अंचलों से साढ़े 6 करोड़ से अधिक राशि तो हर महीने फिक्स्ड थी, फिर बड़े जमीनों में करोड़ों का खेल.अब कल्पना करिए कि एक अंचलाधिकारी कैसे गरीब किसानों और रैयतों से भी रिश्वत वसूल कर ऊपर तक पहुंचाता होगा? उन्होंने कहा कि सुदूर गांवों में का त्रस्त किसान कैसे अपनी पीड़ा ऊपर तक पहुंचाएं? गरीबों की शिकायतें ऊपर तक नहीं पहुंचे, इसके लिए सोरेन सरकार ने पहले ही बीजेपी सरकार की 181 सेवा को बंद करा दिया था. ।अब न छोटे कर्मचारियों की कोई जवाबदेही न ही अफसरों की. हर स्तर से वसूली करने के लिए नीचे से ऊपर तक तगड़ा नेटवर्क बनाया गया था।उन्होंने कहा कि प्रेम प्रकाश, पूजा सिंघल, छवि रंजन, अमित जैसे कई लोग सरकार के लिए रिकवरी एजेंट के रूप काम करते रहे. अब जब एक एक करके इनके एजेंट पकडे जा रहे हैं, तो सरकार की बोलती बंद है. दारू घोटाला, अवैध पत्थर, बालू, कोयला खनन घोटाला, जमीन घोटाला, ट्रांसफ़र घोटाला, ठेका-पट्टा घोटाला हर तरीके से सोरेन सरकार ने राज्य और राज्यवासियों को लूटा है. कहा कि इतना सबकुछ सामने आने के बाद भी राज्य का मुखिया अनजान बनने का ढोंग रचता है और आदिवासी होने की दुहाई देकर अपने पापों को ढकने की कोशिश करता है। जल्द ही इनके सिंडिकेट के मास्टरमाइंड से लेकर हर स्तर के एजेंट होटवार जेल का आनंद लेंगे.कहा कि ये नटरवरलाल समान प्रेम की लूट प्रेम लीला न जाने और कितने को जेल पंहुचवायेगा। उपरोक्त बातें पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल ने अपने फेसबुक पेज के माध्यम से कहा है।

संताल समाज के विभिन्न मुद्दों को लेकर बैठक आयोजित

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। डाक बंगला जरमुंडी में आदिवासी समाज सुधार समिति जरमुंडी की ओर से संताल समाज के विभिन्न मुद्दों को लेकर बैठक की गई।बैठक में नशा मुक्त समाज का निर्माण,शिक्षा का व्यापक प्रचार प्रसार करना,अपनी धर्म,रीति, रिवाज व संस्कृति की रक्षा,इसे संजोकर रखना एवं इसकी समृद्धि व संरक्षण कैसे किया जाय पर विस्तार से चर्चा की गई।इसके लिए संकल्प लिया गया। बैठक की अध्यक्षता बाबुराम हेम्बरम (पूर्व मुखिया) ने की। बैठक में मुख्य अतिथि सोनालाल हेम्बरम,विशिष्ठ अतिथि फूलेश्वर मुर्मू प्रखंड विकास पदाधिकारी जरमुंडी, एवं बैजून टुडू ,बटेश्वर मरांडी नन्द किशोर बास्की,रसिक टुडू ,मंशू मरांडी,संतोष सोरेन,मंगाराम मरांडी, मंगल हांसदा एवं अनेक गण्य मान्य व्यक्ति शामिल हुए।

खालसाई जाहो जलाल के साथ निकला दिल्ली फतेह मार्च

नन्हे घुड़सवार, बुलेट राइडर रहे फतेह मार्च के आकर्षण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर। श्री गुरु ग्रंथ साहब जी महाराज की अगुवाई, पांच प्यारों के छत्रछाया और सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्वावधान में दिल्ली खालसा फतेह मार्च लौहनगरी में निकला। जिसका आकर्षण बुलेट राइडर एवं नन्हें घुड़सवार रहे। फूलों से सजी पालकी में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की गरिमामय उपस्थिति में पांच प्यारे शोभायमान थे। इनके आगे संस्था सिख जागृति मंच द्वारा फूलों की बारिश की जा रही थी।

इससे पहले टीनप्लेट गुरद्वारा में आयोजित समारोह में तख्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब के महासचिव सरदार इंदरजीत सिंह, झारखंड गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार शैलेंद्र सिंह, सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान भगवान सिंह, टाटा मोटर्स यूनियन अध्यक्ष सरदार गुरमीत सिंह तोते, संरक्षक गुरदीप सिंह पप्पू, डॉ हरप्रीत सिंह डॉ जसपाल कौर, कांग्रेस नेता सुखदेव सिंह मल्ली यूनियन नेता परविंदर सिंह सोहेल, एवं कई गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान एवं सेंट्रल गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारियों को सिरोपा देकर कमेटी की ओर से सरदार बलवंत सिंह शेरों, सरदार गुरुचरण सिंह बिल्ला ने सम्मानित किया और इसका संचालन प्रधान सुरजीत सिंह खुशीपुर कर रहे थे।

यहां अरदास के उपरांत पालकी साहब साकची के लिए रवाना हुई। यहां एसएसपी प्रभात कुमार ने भी श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष नतमस्तक हुए और सिंहभूम जिला में अमन शांति सद्भावना एवं तरक्की की कामना की।

नगर कीर्तन फतेह मार्च में कंट्रोलिंग की सेवा सिख नौजवान सभा के सतबीर सिंह गोल्डू एवं उनके साथ ही कर रहे थे।

फतेह मार्च में संरक्षक अमरप्रीत सिंह काले सहित विभिन्न दलों के सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

साकची गुरुद्वारा में समापन के उपरांत संगत ने अटूट लंगर ग्रहण किया, जिसकी व्यवस्था सीजीपीसी की ओर से की गई। फतेह मार्च के मार्ग में रामगढ़िया सभा एवं अन्य कई संस्थाओं द्वारा संगत के लिए चाय पानी नाश्ता का प्रबंध किया गया। इसके सफल संचालन में सरदार अमरजीत सिंह, सरदार जोगा सिंह, सरदार गुरनाम सिंह हरजिंदर सिंह जसवंत सिंह , सुखवंत सिंह, अमरजीत सिंह भामरा, ज्ञानी कुलदीप सिंह, कुलविंदर सिंह, कुलविंदर सिंह पन्नू आदि की सराहनीय भूमिका रही।

जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा से नाला विधानसभा क्षेत्र के कई गांव आज भी सड़क मार्ग से वंचित

- **आज भी शव का अंतिम संस्कार करने शव को खटिया से टांगकर बक्रेश्वर जाने को बाध्य है ग्रामीण**

नाला(जामताड़ा)/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। राज्य निर्माण के दो दशक के बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों को सड़क मार्ग से नहीं जोड़ा जा सका है उत्कृष्ट विधायक,लोकलेखा समिति के चेयरमैन,प्रोटेम स्पीकर एवम् विधानसभा अध्यक्ष देनेवाले नाला विधानसभा के दर्जनों गांव आज भी सड़क मार्ग से वंचित हैं। यह एक दर्द और दुःख भरी पुरानी सिनेमा की कहानी से कम नहीं। नाला विधानसभा के वोटरों ने दो उत्कृष्ट विधायक,लोकलेखा समिति के चेयरमैन एवम्-विधानसभा अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों तक अपने प्रतिनिधियों को तो पहुंचा दिया परन्तु खुद के लिए रास्ता आज भी नहीं बनवा सके।क्षेत्र के बुद्धजीवीयों द्वारा देवलेश्वर धाम से अम्बा महाकाली स्थान,निजमानधारा महाकाल भैरव-गोपेश्वर शिवमन्दिर, लायकापुर,आमडुबी महाशिवमंदिर,सुद्राक्षीपुर होते हुए बक्रेश्वर धाम(पश्चिम बंगाल) के सीमा तक उच्च कोटि का पथ निर्माण कर धार्मिक पर्यटन सर्किट बनाने हेतु प्रस्ताव जनप्रतिनिधियों को देने के वावजूद स्थिति स्थिति जस की तस बनी हुई है।

खराब जलमीनार चालू,ग्रामीणों में हर्ष

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। ग्रीष्म ऋतु के कारण प्रखंड अंतर्गत जलस्तर नीचे जाने के कारण लगातार पेयजल की समस्या उत्पन्न हो रही है, जिसके कारण चापाकल एवं जल मीनार खराब हो रहे हैं। ज्ञात हो कि सिमानीजोर पंचायत अंतर्गत खिजुरिया गांव में जलमीनार खराब हो गया था जिसके कारण ग्रामीणों को पेयजल की कठिनाई हो रही थी। रविवार को पंचायत की मुखिया रोजिनता हेंब्रम ने बंद पड़े जलमीनार को ठीक करवाया।मिस्त्री द्वारा यह बताया गया कि पैनल से 4 घरों में तार खींचकर उसकी ऊर्जा को उपयोग किया जाता था जिसके कारण पैनल एवं मोटर पर लोड पड़ने के कारण पैनल खराब हो गया था तथा मोटर जाम हो गया था।जिसे ठीक कर जल मीनार से पानी की आपूर्ति शुरू की गई। मुखिया ने ग्रामीणों को समझाया कि यदि इस तरह से कोई पैनल से मनमाने ढंग से तार खींचकर ऊर्जा का उपयोग करता है तो उसके ऊपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी क्योंकि इसी के कारण जल मीनार बंद हो जाता है।

खालसाई जाहो जलाल के साथ निकला दिल्ली फतेह मार्च

नन्हे घुड़सवार, बुलेट राइडर रहे फतेह मार्च के आकर्षण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर। श्री गुरु ग्रंथ साहब जी महाराज की अगुवाई, पांच प्यारों के छत्रछाया और सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्वावधान में दिल्ली खालसा फतेह मार्च लौहनगरी में निकला। जिसका आकर्षण बुलेट राइडर एवं नन्हें घुड़सवार रहे। फूलों से सजी पालकी में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की गरिमामय उपस्थिति में पांच प्यारे शोभायमान थे। इनके आगे संस्था सिख जागृति मंच द्वारा फूलों की बारिश की जा रही थी।

इससे पहले टीनप्लेट गुरद्वारा में आयोजित समारोह में तख्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब के महासचिव सरदार इंदरजीत सिंह, झारखंड गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार शैलेंद्र सिंह, सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान भगवान सिंह, टाटा मोटर्स यूनियन अध्यक्ष सरदार गुरमीत सिंह तोते, संरक्षक गुरदीप सिंह पप्पू, डॉ हरप्रीत सिंह डॉ जसपाल कौर, कांग्रेस नेता सुखदेव सिंह मल्ली यूनियन नेता परविंदर सिंह सोहेल, एवं कई गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान एवं सेंट्रल गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारियों को सिरोपा देकर कमेटी

की ओर से सरदार बलवंत सिंह शेरों, सरदार गुरुचरण सिंह बिल्ला ने सम्मानित किया और इसका संचालन प्रधान सुरजीत सिंह खुशीपुर कर रहे थे।

यहां अरदास के उपरांत पालकी साहब साकची के लिए रवाना हुई। यहां एसएसपी प्रभात कुमार ने भी श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष नतमस्तक हुए और सिंहभूम जिला में अमन शांति सद्भावना एवं तरक्की की कामना की।

नगर कीर्तन फतेह मार्च में कंट्रोलिंग की सेवा सिख नौजवान सभा के सतबीर सिंह गोल्डू एवं उनके साथ ही कर रहे थे।

फतेह मार्च में संरक्षक अमरप्रीत सिंह काले सहित विभिन्न दलों के सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

साकची गुरुद्वारा में समापन के उपरांत संगत ने अटूट लंगर ग्रहण किया, जिसकी व्यवस्था सीजीपीसी की ओर से की गई। फतेह मार्च के मार्ग में रामगढ़िया सभा एवं अन्य कई संस्थाओं द्वारा संगत के लिए चाय पानी नाश्ता का प्रबंध किया गया।

इसके सफल संचालन में सरदार अमरजीत सिंह, सरदार जोगा सिंह, सरदार गुरनाम सिंह हरजिंदर सिंह जसवंत सिंह , सुखवंत सिंह, अमरजीत सिंह भामरा, ज्ञानी कुलदीप सिंह, कुलविंदर सिंह, कुलविंदर सिंह पन्नू आदि की सराहनीय भूमिका रही।

अंसार खान के गीत के माध्यम से हाथ से हाथ जोड़ों यात्रा के दौरान हैंड बिल बांटा गया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के निर्देशानुसार पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष सह पश्चिम विधानसभा विधायक प्रतिनिधि अंसार खान के नेतृत्व में हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के हैंड बिल मैसेज को गीत के द्वारा मार्केट, बस्ती में डोर टू डोर, पार्क, आदि जगहों पर हैंड बिल बाटा गया। इस गीत को यूट्यूब चैनल फेसबुक में वायरल किया जा रहा है अंसार खान ने बताया गीत के माध्यम से हिंदुस्तान वासियों को कांग्रेस पार्टी की तरफ से यह मैसेज देने की कोशिश किया है। ₹हौसला ना छोड़ - कर सामना जहान का₹ जिंदगी हर कदम एक नई जंग है₹ अंसार खान ने कहा मैं तमाम भारतवासियों से अपील करता हूं हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी हम आपस में भाई हैं। हम भारतवासी हैं हम सभी मिलकर अपने देश को बचाएं मेहनत करें मेहनत से ही कामयाबी मिलती है 2024 में कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी को लाएं और अपने देश को बचाएं। हम सभी के पास समय बहुत कम है अपने-अपने घरों से निकलकर पब्लिक के बीच जाए और भारत में बेशुमार महंगाई, बेरोजगारी, जीएसटी, रसोई गैस को लेकर पब्लिक के बीच जाएं। अगर हम सब मिलकर आज ही से मेहनत शुरू कर दें इंशाल्लाह हम जरूर(2024) में राहुल गांधी को हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री बनाएं। इस गीत में अंसार खान और कांग्रेस पार्टी की जिला सचिव शिल्पा चक्रवर्ती ने काम किया है। और झारखंड प्रदेश कांग्रेस पार्टी के विशेष आमंत्रित सदस्य रियाजुद्दीन खान, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव केके शुक्ला, जिला कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष आनंद पात्रो, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह, महिला कांग्रेस कमेटी की जिलाध्यक्ष उषा यादव, महिला पदाधिकारी नलिनी सिन्हा, माला सिन्हा, जय गीता, फरहत बेगम, रेशमी निगार ,अली इमाम, रंजीत सिंह, गुड्डी वर्मा, सुमित्रा पांडा, मौसमी देवी, नूर आलम, आदिल खान, मोहम्मद कैफ आदि ने सहयोग किया।

60 घंटे के बाद मृतक धनवा तुरी के ग्रामीण व कंपनी के अधिकारियों के बीच 6 लाख 80 हजार में बनी सहमति

- **लाश सड़ने के कगार पर फिर भी अपनी मांगों पर अड़े है ग्रामीण**

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। पाकुड़। रविवार को जिला प्रशासन के निर्देश पर स्थानीय प्रशासन की मौजूदगी में मृतक धनवा तुरी के ग्रामीण व कंपनी के अधिकारियों के बीच नहीं बनी सहमति। ग्रामीणों के अप्रत्याशित मांग के बीच पहले दौर के बातचीत के बाद भी ग्रामीणों ने लाश का अंतिम संस्कार करने पर नहीं हुए राजी। 60 घंटे के बाद लाश सड़ने के कगार पर फिर भी अपनी मांगों पर अड़े हैं ग्रामीण। कोयला परिचालन ठप होने से कंपनी/ट्रांसपोर्टर/वाहन मालिक के अलावे सरकार के राजस्व, रेलवे को अब तक हो चुका है करोड़ों का नुकसान। आपको बता दें की रांगाटोला में बीते शुक्रवार को डंपर के चपेट में आने से धनवा तुरी की मौत हो गया। धनवा तुरी के 60 घंटे बीत जाने के बाद 6 लाख 80 फैसला हुआ। ततपश्चात मृतक का शव का अंतिम संस्कार हो पाया है। ग्रामीण मृतक के शव को ताबूत में बंद कर सडक के बीचो बीच रख कर मुआवजे की मांग कर रहे था।

मिली जानकारी के अनुसार डीबीएल कोल कंपनी मृतक के परिजनों को सही मुआवजा पर देने के बाद ही ग्रामीण शव को दाह संस्कार किया गया. ग्रामीणों का कहना है कि जब तक डीबीएल कॉल कंपनी 6 लाख 80 हजार के अलावे मृतक के एक पुत्र को नौकरी एवं सभी बच्चों का शिक्षा, स्वास्थ की सुविधा कंपनी देगी। उधर 60 घंटे हो जाने से शव से दुर्गन्ध आने लगी है।

उधर कंपनी/ट्रांसपोर्टर/वाहन मालिको का कहना है की बीते 60 घंटे से कोयला परिचालन ठप होने से सरकार का करोड़ों का नुकसान हो रहा है. इस दिशा पर प्रशासन से ट्रांसपोर्टर/वाहन मालिको ने उचित कार्रवाई करने की अपील की है.

Lessons from Manipur Violence

If Manipur violence can be taken as a lesson, it is right time to rethink on the question of caste and community based reservation.

Professor M.C.Behera

Jharkhand dekho desk: Violence that broke out in Manipur following tribal solidarity march on 3rd May, 2023, called by All Tribal Students Union Manipur (ATSUM) in Torbung and magnitude of havoc it created, is unimaginable in a civilised society of 21st century. The rally, which resulted in violence, was in protest to the demand of ST status by the Meiteis. The act of violence has been pictured in many shades, between Christian and Hindus, Kukis and Meiteis, tribes and non-tribe or between hills and valley people. Shockingly, the violence spilled over beyond the state to Shillong, Meghalaya where Kuki and Meitei communities involved in clash in the evening day after it occurred in Manipur. It is also alleged that anti-social elements through social media engineered the violence. However, it is not only Kukis, other Naga tribes also were a party to solidarity rally. The police are alleged of standing by the side of their community people. So, practically, it is a conflict between reservation enjoying and reservation seeking communities.

Following violence Army and Assam Rifles were deployed. More than 20,000 people were evacuated to safe places. More than 1100 people entered Assam to avoid the brunt of violence. Sadly, settled people became refugee. Internet and mobile services were suspended. Curfew was imposed.

The politics has not remained far behind. Congress demands President Rule in Manipur though similar incidents in West Bengal and Bihar did not invite any reaction. At some quarters, the violence is attributed to opposition's handiwork because Manipur and Meghalaya are BJP ruled states. One or the other reason cannot be attributed to the incident. The issue is complicated and multiple of reasons might be behind the incident of violence. Whatever may be the reason, it is the humanity in general that has been victimised.

It should be mentioned that the solidarity march was in opposition to an order of Manipur High Court directing the state government to submit to the Centre its recommendation on Meiteis' representation for ST status. Meiteis have been demanding ST status for decades now. The Scheduled Tribe Demand Committee (STDCM), Manipur of the Meiteis state that their demand is more about protecting the ancestral lands, culture and identity of Meitei people who are threatened consistently by illegal immigrants from Myanmar, Bangladesh and other outsiders. Is not there any other means to achieve the expressed goals than ST status? It needs to be examined. As reported, their demand is based on historical evidence that they were listed as one of the tribes of Manipur before it merged with Indian Union in 1949. Surprisingly, they missed this status in the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950. So, they demand their status back for which they had filed a petition in Manipur High Court.

Aftermath of the violence following solidarity March in Torbung area of Churachandpur district showed a spread effect, deployment of army, plight of citizens, migration, evacuation, politics, and legal challenge. A recent news item reports that BJP MLA Mr. D. Gangmei, Chair of Hill Areas Committee (HAC) filed a Special Leave Petition (SLP) in Supreme Court challenging the order of Manipur High Court that stands responsible for escalating tensions between two communities. SLP is filed challenging constitutionality and legality of High Court order.

In the backdrop of High Court order, HAC passed a resolution protesting inclusion of the Meiteis under ST category. The resolution was followed by the solidarity rally and subsequent violence, arson, killing, damage to property and so many other things. The resolution argued that the quota of present ST groups in government jobs and educational institutions would be reduced when shared by Meities as ST. Is the benefit shared equally within a reserved category? It is a pertinent question, but has no significance. A debate on the question might draw a fault line within the category which cannot be risked upon by jeopardising strength of the community identity.

The petition filed to SC shows that the tribes were against the High Court order. Then, why there was an opposition to Meiteis' demand for ST status which is not new. Opposition to ST status is evident from the reason underlying the protest. Reservation has created elite sections within a category, say a tribe. Don't the elite sections block advantages to flow down to the poorest of the poor? Has not a poor section emerged within non-reserved castes/communities in development process? The voice on the issue is a silent echo as inequality has emerged in a reservation community in the process of integration with national development agenda.

A cursory observation would be suffice to make one realise an old fault line between reserved and non-reserved categories. Even within reserved category the fault line exists between better and least placed communities. Is it that old fault line that incited the conflict in the backdrop of reservation claim? It can be argued in general context that reservation stands as a potential factor of conflict between reserved and non-reserved categories. It also facilitates perpetuation of caste and creed with the issue of caste certificate for reservation benefit. In other words, categories created for reservation on caste and community basis is perpetuated and thus the potentiality of conflict and violence. If Manipur violence can be taken as a lesson, it is right time to rethink on the question of caste and community based reservation. When the base is made of categories of conflicting interest, it is not practicable to expect peace, mutuality, co-existence by perpetuating the fault line with institutional support and mechanism. .

(Rajiv Gandhi University, Rono Hills, Doimukh, Itanagar,Papum Pare District,Arunachal Pradesh-791112, Email: mcbehera1959@gmail.com;The views expressed by the author are his own and in no way the Editor be held responsible for the them—Editor.)

विद्यार्थी परिषद ईकाई की नई कार्यकारिणी की बैठक की गई

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। विद्यार्थी परिषद हिरणपुर इकाई की नई कार्यकारणी बैठक नगर मंत्री सूरजीत मंडल की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अंकित साहा नगर अध्यक्ष तपन ठाकुर विशेष आमंत्रित सदस्य अमन ठाकुर उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य रूप से पिछले दिनों हुए नगर अभ्यास वर्ग सह इकाई पुनर्गठ की समीक्षा की गई। वहीं मौजूद नगर अध्यक्ष श्री तपन ठाकुर ने विद्यार्थी परिषद के बारे में विस्तार पूर्वक बताया कि आज विद्यार्थी परिषद् न केवल भारत का बल्कि विश्व का सबसे बड़ा छात्र-संगठन है। यह संगठन छात्रों से प्रारंभ हो, छात्रों की समस्याओं के निवारण हेतु एक एकत्र छात्र शक्ति का परिचायक है। विद्यार्थी परिषद् के अनुसार, छात्रशक्ति ही राष्ट्रशक्ति होती है। विद्यार्थी परिषद् का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय पुनर्निर्माण है। विद्यार्थी परिषद का नारा है। ज्ञान, शील और एकता।स्थापना काल से ही संगठन ने छात्र हित और राष्ट्र हित से जुड़े प्रश्नों को प्रमुखता से उठाया है और देशव्यापी आंदोलनों का नेतृत्व किया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् ने छात्र-हित से लेकर भारत के व्यापक हित से सम्बद्ध समस्याओं की ओर बार-बार ध्यान दिलाया है। बांग्लादेशी अवैध घुसपैठ और कश्मीर से धारा 370 को हटाने के लिए विद्यार्थी परिषद् समय-समय पर आन्दोलन चलाता रहा है। बैठक में मुख्य रूप से नगर नगर सह मंत्री सुलभ मंडल, सुप्रिया कुमारी, नगर छात्रा प्रमुख भाग्यश्री कुमारी, नगर कला मंच प्रमुख बेहुला कुमारी, खुशबू कुमारी, खेल मंत्री अमन भगत महाविद्यालय अध्यक्ष शयाम दे उपाध्यक्ष देव मंडल नगर कार्यालय मंत्री अंकित ठाकुर नगर कार्यकारिणी सदस्य आलोक साहा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षा विभाग का कारनामा, नया स्कूल भवन मरम्मती का हुआ मंजुरी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

ईचागढ़। शिक्षा विभाग का अजब कारनामा देखने को मिल रहा है। नया स्कूल भवन बनने से पहले ही दरक रहा है । छत भी झुंक गया है। दो मंजिला स्कूल भवन का संवेदक द्वारा विद्यालय को हस्तांतरित भी नहीं किया गया है और नव निर्मित जर्जर भवन का घटिया निर्माण कार्य को छुपाने के लिए फीर से 19 लाख का आवंटन झारखंड एजुकेशन प्रोजेक्ट काउंसिल द्वारा किया गया है। जी हां ताजा मामला सरायकेला खरसावां जिला के ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के अनुग्रह नारायण प्लस टू उच्च विद्यालय पिलीद का है। जहां करीब 3 साल पहले 5-5 कमरे का दो मंजिला स्कूल भवन का निर्माण समेकित जनजाति विकास अभिकरण सरायकेला की ओर से 44 लाख की लागत से किया है। उक्त भवन का शिलान्यास तत्कालीन विधायक साधुचरण महतो

द्वारा किया गया था। भवन निर्माण के साथ ही दीवारों मे दरार पड़ गया है। जमीन उखड़ रहा है। छत भी झुंक गया है। आपको बता दूं कि विद्यालय का नया भवन आज तक विद्यालय प्रवंधन समिति को हस्तांतरित भी नहीं किया गया है और आश्चर्य की बात ये है कि नव निर्मित भवन का मरम्मती के लिए झारखंड एजुकेशन प्रोजेक्ट काउंसिल द्वारा फीर से 19 लाख का आवंटन किया गया है। क्या शिक्षा विभाग को इसकी जानकारी नहीं है,या तो फिर संवेदक के द्वारा किया गया घटिया निर्माण कार्य को लीपापोती कर छुपाने के लिए राशि आवंटित किया गया है। ये लोगों के जेहन में उतर नहीं रहा है। विद्यालय के प्रधानाचार्य मिस मिताली एवं शिक्षकों के द्वारा नया भवन का निरीक्षण किया गया, जहां बच्चों को बैठाकर पढ़ाना खतरे से खाली नहीं है। ये भी बता दूं कि दो मंजिला भवन का निर्माण 44 लाख की लागत से किया गया है और मरम्मती के नाम पर फीर 19 लाख मंजुरी किया गया है। कहीं न कहीं लुट खसोट का नियत से प्राक्कलन बनाया गया है। वहीं समाज सेवी दिलीप कुमार दास ने बताया कि जितनी राशि से भवन बनाया गया , उसके आधा राशि मरम्मती के लिए दिया गया है,जो जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि भवन हस्तांतरण से पहले ही जर्जर हो चुका है, तो फिर से मरम्मती कैसे कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसपर उच्च स्तरीय जांच होना चाहिए, नहीं तो आंदोलन किया जाएगा।

कुश्ती ट्रायल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि/ईचागढ़। सरायकेला -खरसवां जिला के कुकडू प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय कूदा, कन्या में सरायकेला खरसावां जिला कुश्ती संघ के बैनर तले एकदिवसीय जिला स्तरीय कुश्ती ट्रायल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ फीता काटकर तिरुलडीह थाना प्रभारी रितेश कुमार, कुकडू प्रखंड के उप प्रमुख मोहम्मद एकराम एवं जिला कुश्ती संघ के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया। इस कुश्ती ट्रायल प्रतियोगिता में अंडर 15 वर्ग के बालक एवं बालिकाएं ने भाग लिया । जहां इनका ट्रायल के माध्यम से चयन किया जाएगा। वहीं चयनित खिलाड़ी 13 मई 2023 को रांची के होटवार में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। वैसे प्रतियोगिता के शुभारंभ के बाद, पूर्व में राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले चुके खिलाड़ियों को अतिथियों के द्वारा ट्रैक शूट देकर सम्मानित भी किया गया। कुस्ती संघ के जिला अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने कहा कि कुस्ती संघ का उद्देश्य है कि गांव के खिलाड़ी भी राज्य, राष्ट्र व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना पहचान बना पाए। उन्होंने कहा कि आज राज्य स्तरीय खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया गया।

रबीन्द्रनाथ टैगोर निबंध लेखन प्रतियोगिता में कुमार शाम्भव, आद्या रश्मि व शाम्भवी अव्वल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। स्थानीय विवेकानंद शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान तथा योगमाया मानवोत्थान ट्रस्ट के युग्म बैनर तले पिछले दिन नोबेल पुरस्कार विजेता, विश्वकवि रबीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न ग्रुपों में निबंध लेखन एवं रँगभरो प्रतियोगिताओं का आयोजन देश के कई हिस्सों में हुआ था जिसमें हजारों विद्यार्थियों की भागीदारी रही। आज देवघर जिला के विजयी प्रतिभागियों के नामों की घोषणा की गई। रबीन्द्रनाथ टैगोर की जीवनी शीर्षक निबंध लेखन प्रतियोगिता के ग्रुप बी में गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल के कुमार शाम्भव रघुवीर को प्रथम, पालोजोरी के प्रीतम कुमार को द्वितीय व जसीडीह की ऋतु कुमारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। शांतिनिकेतन एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर शीर्षक निबंध लेखन प्रतियोगिता के ग्रुप सी में माउंट कार्मेल पब्लिक स्कूल की आद्या रश्मि व खुशी

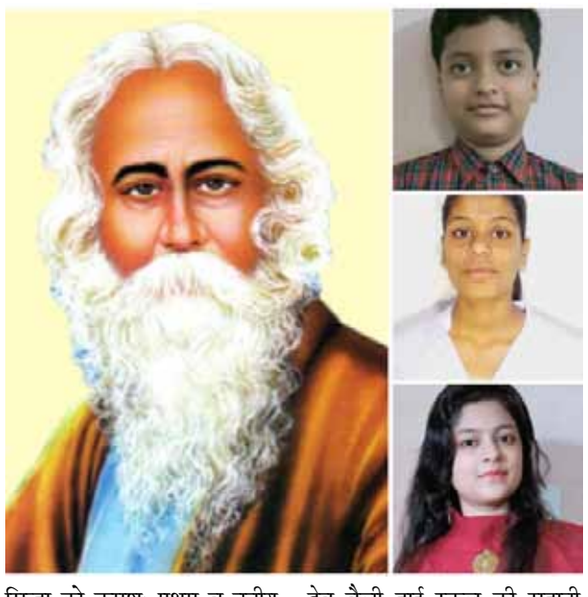

सिन्हा को क्रमशः प्रथम व तृतीय जबकि आशुतोष बालिका उच्च विद्यालय की रिया कुमारी को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। रबीन्द्रनाथ रँगभरो प्रतियोगिता के ग्रुप सी में गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल की आर्या किशोर वर्णवाल को प्रथम, देव वैली हाई स्कूल की सुहानी कुमारी को द्वितीय जबकि देवघर संत फ्रांसिस स्कूल के अंश राज को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी प्रतियोगिता के ग्रुप डी में ए.एस. महाविद्यालय की सुलेखा चौधरी को प्रथम, जसीडीह की रिद्धिमा प्रिया एवं सुलेखा कुमारी को क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सभी विजयी प्रतिभागियों को इस माह के 13 को ऑफिसर्स कॉलोनी स्थित संत माईकल एंग्लो विद्यालय परिसर में विवेकानंद संस्थान के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव व अन्य अतिथियों के करकमलों से पुरस्कृत किया जाएगा। मौके पर विवेकानंद संस्थान के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव ने कहा- रबीन्द्रनाथ ठाकुर विश्वविख्यात कवि, साहित्यकार, दार्शनिक और भारतीय साहित्य के नोबल पुरस्कार विजेता हैं। उन्हें गुरुदेव के नाम से भी जाना जाता है। उनका जन्म 7 मई, 1861 को हुआ था। बांग्ला साहित्य के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नयी जान फूँकने वाले युगद्दष्टा वे ही थे। वे एशिया के प्रथम नोबेल पुरस्कार सम्मानित व्यक्ति हैं। वे एकमात्र कवि हैं जिसकी दो रचनाएँ दो देशों का राष्ट्रगान बनीं - भारत का राष्ट्र-गान 'जन गण मन' और बाँग्लादेश का राष्ट्रीय गान 'आमार सोनार बांङ्ला' गुरुदेव की ही रचनाएँ हैं। बचपन से ही उनकी कविता, छन्द और भाषा में अद्भुत प्रतिभा का आभास लोगों को मिलने लगा था। उन्होंने पहली कविता आठ वर्ष की आयु में लिखी थी और सन् 1877 में केवल सोलह वर्ष की आयु में उनकी प्रथम लघुकथा प्रकाशित हुई थी। उन्होंने अपने जीवनकाल में कई उपन्यास, निबंध, लघु कथाएँ, यात्रावृन्त, नाटक और सहस्रो गाने भी लिखे हैं। वे अधिकतम अपनी पद्य कविताओं के लिए जाने जाते हैं। गद्य में लिखी उनकी छोटी कहानियाँ बहुत लोकप्रिय रही हैं। टैगोर ने इतिहास, भाषाविज्ञान और आध्यात्मिकता से जुड़ी पुस्तकें भी लिखी थीं। टैगोर के यात्रावृन्त, निबंध, और व्याख्यान कई खंडों में संकलित किए गए थे, जिनमें यूरोप के जटरिर पत्रों और 'मनुशर धर्म' शामिल थे। अल्बर्ट आइंस्टीन के साथ उनकी संक्षिप्त बातचीत, ₹वास्तविकता की प्रकृति पर नोट₹, बाद के उत्तराधों के एक परिशिष्ट के रूप में सम्मिलित किया गया है।

द प्रेस क्लब ऑफ सरायकेला-खरसावां की नई कार्यकारिणी की हुई पहली बैठक; कार्यकारिणी का हुआ विस्तार; नवीन चंद्र प्रधान बने सोशल मीडिया प्रभारी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

सरायकेला। नवनिर्वाचित द प्रेस क्लब ऑफ सरायकेला-खरसावां की नई कार्यकारिणी की पहली बैठक निरीक्षण भवन खरसावां में संपन्न हुई। द प्रेस क्लब ऑफ सरायकेला-खरसावां के जिलाध्यक्ष मनमोहन सिंह राजपूत की अध्यक्षता में संपन्न हुई उक्त बैठक में महासचिव मोहम्मद रमजान अंसारी एवं कोषाध्यक्ष संजीव कुमार मेहता की प्रमुख उपस्थिति में सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। जिसमें अरुण मांझी को वरीय उपाध्यक्ष, खगेन चंद्र महतो, सुधीर गोराई, रासबिहारी मंडल एवं विपिन वार्ष्णेय को उपाध्यक्ष, सुमंगल कुंडू उर्फ केबु दा को कार्यकारी अध्यक्ष, सुमन मोदक, रविकांत गोप, शंभू सेन, अजय महतो, उमाकांत कर, फणिभूषण, परमेश्वर गोराई एवं अभिषेक मिश्रा को जिला सचिव, संजय मिश्रा को प्रवक्ता, अधिवक्ता छत्रपति महतो को लीगल एडवाइजर, नवीन चंद्र प्रधान को सोशल मीडिया प्रभारी, विश्वरूप पंडा को सदस्यता प्रभारी एवं आशीष कुमार झा और राहुल चंद्रा को आईटी सेल प्रभारी बनाया गया। इस अवसर पर संतोष कुमार, प्रमोद सिंह, बलराम पंडा, दीपक महतो, सुमित कुमार सिंह, सुनील कुमार गुप्ता सहित अन्य सदस्यों की प्रमुख उपस्थिति में शपथ ग्रहण समारोह के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। मौके पर अध्यक्ष मनमोहन सिंह राजपूत ने कहा कि द प्रेस क्लब ऑफ सरायकेला-खरसावां स्वच्छ पत्रकारिता और पत्रकारों के हित के लिए समर्पित संस्था है। और यह अपने पवित्र उद्देश्यों के साथ प्रगति पथ पर अग्रसर रहेगी। प्रवक्ता संजय मिश्रा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन किया गया। बताया गया कि जल्द ही कार्यकारिणी की बैठक कर पत्रकार हित में बेहतर निर्णय लिए जाएंगे।

अप्रैल में हुआ रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन मगर आयात पर मिलने वाले टैक्स में आई 5 प्रतिशत की कमी

नई दिल्ली , एजेंसी। इस साल अप्रैल में वस्तु एवं सेवा कर संग्रह रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया लेकिन विदेश में घटी मांग व जिंस की कम कीमत का कर संग्रह पर असर पड़ा है। यह आयातित वस्तुओं पर लगे एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर के संग्रह से उजागर होता है।

इस मद में साल 2023-24 के पहले महीने में बीते साल की तुलना में 4.7 फीसदी की गिरावट आई। इस वित्त वर्ष के पहले महीने में आइजीएसटी मद में 34,772 करोड़ रुपए आए हैं, जबकि बीते साल की इसी महीने में 36,705 करोड़ रुपए मिले थे। आयातित वस्तुओं पर आइजीएसटी में गिरावट की वजह मार्च महीने में आयात में कमी भी है। मार्च में वस्तुओं का आयात करीब 8 फीसदी गिरकर 58.11 अरब डॉलर पर आ गया था। अप्रैल का जीएसटी

संग्रह मार्च की आर्थिक गतिविधियों के मुताबिक होता है।

उदाहरण के तौर पर भारत में आयात होने वाले कच्चे तेल की कीमत मार्च में 30.4 प्रतिशत घटकर 78.54 डॉलर प्रति बैरल रह गई, जो एक साल पहले 112.87 डॉलर प्रति बैरल थी। इसी के मुताबिक कच्चे तेल और उसके उत्पादों का आयात एक साल पहले की तुलना में करीब 24 प्रतिशत गिरकर मार्च 2023 में 16.1 अरब डॉलर रह गई।

अप्रैल में घरेलू कारोबार पर आइजीएसटी 19.8 फीसदी बढ़कर 54,186 करोड़ रुपए हो गया, जिस पर जिंसों की कीमत में कमी का असर नजर आ रहा है। एक राज्य से दूसरे राज्य में वस्तुओं के कारोबार पर आइजीएसटी लगता है। हालांकि वस्तुओं के आयात पर लगने वाले उपकर पर जिंसों की कीमत में कमी का कोई असर नहीं पड़ा है। यह अप्रैल में 5 फीसदी से थोड़ा अधिक बढ़कर 901 करोड़ रुपए हो गया। यह एक साल पहले 857 करोड़ रुपए था।

एयरेटेड पेय पदार्थों और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक वस्तुओं जैसे सिगरेट, ऑटोमोबाइल आदि पर अधिकतम 28 प्रतिशत जीएसटी के ऊपर उपकर लगाया जाता है। यह कर कुछ विशेष वस्तुओं के आयात पर लगाया जाता है, इसलिए इससे मिलने वाला कर मामूली होता है।

दरअसल वस्तुओं के आयात पर उपकर मार्च महीने में 2 प्रतिशत से कुछ ज्यादा गिरकर 960 करोड़ रुपए रहा था। बहरहाल यह साल में पहली बार हुआ है, जब आयात पर आइजीएसटी घटा है। दिसंबर 2022 से डॉलर के हिसाब से वाणिज्यिक आयात में कमी आ रही है। फरवरी में गिरावट 8.19 प्रतिशत थी, जो मार्च के 7.89 प्रतिशत की तुलना में ज्यादा थी। दिसंबर से मार्च 2022-23 के बीच आयात पर आइजीएसटी में गिरावट नहीं आई लेकिन वृद्धि दर पहले के महीनों के 2 अंकों की तुलना में घटकर 1 अंक में रह गई। इसकी वजह यह है कि इन महीनों में आयात में कोई कमी नहीं आई और पहले के वर्ष में कोविड के असर के कारण कम आधार भी था।

108 रुपये का फायदा करवा सकता है यह आईपीओ! 8 मई को लिस्ट होगी मैनकाइंड फार्मा कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज फार्मा कंपनी मैनकाइंड फार्मा का आईपीओ क्लोज हो गया है। मैनकाइंड फार्मा का आईपीओ 25 अप्रैल को ओपन हुआ था। निवेशकों के पास 27 अप्रैल 2023 तक इसे सब्सक्राइब करने का मौका था। इस आईपीओ को सब्सक्राइब करने वाले निवेशकों के लिए अच्छी बात यह है कि कंपनी ग्रे मार्केट में बेहतर प्रदर्शन कर रही है। आइए जानते हैं कि मैनकाइंड फार्मा की लिस्टिंग को लेकर एक्सपर्ट क्या सोच रहे हैं।

टॉप शेयर ब्रोकर की रिपोर्ट के अनुसार आज मैनकाइंड फार्मा का जीएमपी 108 रुपये है। कल यानी शुक्रवार को यह 92 रुपये था। यानी बीते 24 घंटों के दौरान मैनकाइंड फार्मा के जीएमपी में 16 रुपये की तेजी देखने को मिली है। जोकि इस आईपीओ को सब्सक्राइब करने वाले निवेशकों के लिए अच्छे संकेत हैं। अगर यही ट्रेंड बरकरार रहा तो

मैनकाइंड फार्मा 1188 रुपये के आस-पास लिस्ट हो सकती है। बता दें, इस आईपीओ का प्राइस बैंड 1026 रुपये से 1080 रुपये प्रति शेयर था।

क्या है एक्सपर्ट की राय?

मैनकाइंड फार्मा की लिस्टिंग को लेकर स्वास्तिक इनवेस्टमार्ट लिमिटेड की रिसर्च एनालिस्ट (इक्विटी) अनुभूति मिश्रा कहती हैं, ताजा आंकड़े बताते हैं कि ग्रे मार्केट में कंपनी की स्थिति पहले से बेहतर हुई है। 3 मई को कंपनी के शेयरों के अलॉटमेंट के बाद से ही जीएमपी में तेजी है। शेयर बाजार कंपनी लिस्टिंग के साथ मुनाफा दे सकती है। लेकिन चीजें बहुत हद तक बाजार के रुख पर भी निर्भर करेंगी। बता दें, मैनकाइंड फार्मा की लिस्टिंग 8 मई को हो सकती है।

मुकेश अंबानी के पड़ोसी भी हैं अरबपति

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी भारत और एशिया के सबसे अमीर शख्स हैं। अंबानी के पास अरबों की संपत्ति है। दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में मुकेश अंबानी का भी नाम शामिल है। मुकेश अंबानी का घर अल्टामाउंट रोड पर है। यह एशिया की सबसे महंगी रोड है। यह दुनिया की 10वीं सबसे महंगी सड़क है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी दुनिया के सबसे महंगे घर एंटीलिया में रहते हैं। मुंबई स्थित एंटीलिया की ऊंचाई 27 मंजिल है। ये घर करीब 4,00,000 स्क्वायर फीट में बना हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुकेश अंबानी का घर 200 करोड़ डॉलर यानी करीब 11 हजार करोड़ रुपये की लागत से बना हुआ है। मुकेश अंबानी का घर एशिया का सबसे महंगा घर है। अंबानी के पड़ोसी भी अरबपति हैं। आइए आपको बताते हैं मुकेश अंबानी के पड़ोसियों में कौन-कौन शामिल है और उनकी नेटवर्थ कितनी है।

एन चंद्रशेखरन: टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन मुकेश अंबानी के पड़ोसी हैं। इस एरिया में वह पिछले 4 साल से रह रहे हैं। पिछले पांच साल तक किराए के घर में रहने के बाद उन्होंने वहीं पर साल 2020 में करीब 98 करोड़ रुपये में डूप्लेक्स खरीदा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह भारत के सबसे ज्यादा चार्ज करने वाले सीईओ भी हैं। एन चंद्रशेखरन की कमाई करीब 109 करोड़ रुपये है।

मोतीलाल ओसवाल : मोतीलाल ओसवाल भी इसी एरिया में रहते हैं। मुकेश अंबानी के पड़ोसियों की लिस्ट में इनका भी नाम है। मोतीलाल ओसवाल ने साल 2020 में 33 करोड़ रुपये में डुप्लेक्स घर खरीदा है। यह घर साउथ टावर में है।

स्ट्रॉन्ग ग्रोथ से बड़े बदलाव की ओर भारत...एप्पल के सीईओ टिम कुक हुए इंडियन इकॉनमी के मुरीद

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की इकॉनमी तेजी से आगे बढ़ रही है। इस मजबूत ग्रोथ से भारत बड़े बदलावों की ओर बढ़ रहा है। भारत की इस तेजी से बढ़ रही इकॉनमी के मुरीद अब ऐपल के सीईओ टिम कुक भी हो गए हैं। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कंपनी के तिमाही के परिणाम जारी करते हुए भारत की इकॉनमी की तारीफ की है। टिम कुक ने भारत को अविश्वसनीय रूप से रोमांचक बाजार बताया है। उन्होंने कहा, जनसंख्या के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा देश भारत कंपनी के लिए एक प्रमुख बाजार के साथ-साथ एक बड़ा उत्पादन केंद्र भी बनता जा रहा है। उन्होंने भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग की भी तारीफ की है। टिम कुक के मुताबिक, बाजार एक मजबूत विकास के टिपिंग पॉइंट पर है। उन्होंने

बताया कि भारत के बाजार पर उनका प्रमुख फोकस है।

टिम कुक के मुताबिक, कारोबार की बात करें तो कंपनी ने रेकॉर्ड बनाया है। उन्होंने बताया कि कंपनी का कारोबार जिस तरह से बढ़ रहा है उसमें भारतीय बाजार का काफी बड़ा योगदान है। कंपनी ने साल-दर-साल दो अंकों में वृद्धि की है। यही वजह है कि वह अब भारतीय बाजार पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। टिम कुक भारत को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने अपनी भारत यात्रा का जिक्र भी किया है। उन्होंने बताया कि पहले मुंबई और फिर दिल्ली में एपल का स्टोर खोला। वहां के ग्राहकों, डेवलपर्स और टीम के सदस्यों के साथ मैंने समय बिताया। उनका उत्साह देखने लायक था। एपल ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक पहुंचने के लिए भारत में अपने व्यापार का विस्तार कर रही है।

भारत में बढ़ रही लोगों की इनकम : टिम कुक के मुताबिक, भारत की इकॉनमी जिस तेजी के साथ आगे बढ़ रही है, उससे तरक्की के नए रास्ते खुल रहे हैं। भारत में लोगों की इनकम बढ़ रही है। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि भारत में आने वाले समय में आईफोन की बिक्री और बढ़ेगी। भारत कंपनी के कारोबार में बड़ी भूमिका निभा सकता है।

ऊंची कीमतों से सोने की खपत में गिरावट, मांग 17 फीसदी घटी

नई दिल्ली, एजेंसी। कीमतों में उतार-चढ़ाव से खपत पर असर और ज्यादा भाव के चलते जनवरी से मार्च तिमाही में सोने की मांग 17 फीसदी घटकर 112.5 टन रह गई है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, एक साल पहले इसी अवधि में यह 135.5 टन रही थी। काउंसिल ने कहा कि इस पूरे साल मांग में गिरावट रहने के आसार हैं। काउंसिल के अनुसार, ऊंची कीमतों से सोने के गहनों की मांग ज्यादा प्रभावित हुई है। यह एक साल पहले 94.2 टन के मुकाबले घटकर 78 टन रह गई है। सोने की कीमतों में वृद्धि व शुभ दिनों के काफी कम होने और आगे कीमतों में गिरावट की उम्मीद में लोगों ने शायद सोना खरीदने की योजना को टाल दिया। सोने के निवेश की मांग पहली तिमाही में 8 प्रतिशत घटकर 17,200 करोड़ रुपये रही है जो एक साल पहले 18,750 करोड़ रुपये थी। रिसाइकल सोने की मांग 25 फीसदी बढ़कर 34.8 टन रही जो एक साल पहले 27.8 टन रही थी।

12 से सीधे 106 पर पहुंचा शेयर, पैसा लगाने वालों की हो गई बल्ले-बल्ले, मिला छप्परफाड़ रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में अगर सही स्टॉक में पैसा लगा दिया तो आपको अमीर बनने से कोई नहीं रोक सकता है। ऐसे बहुत से शेयर हैं जिन्होंने निवेशकों को लगातार बंपर रिटर्न दिया है। बाजार में गिरावट के बावजूद इन शेयरों ने निवेशकों को निराश नहीं किया है। आज हम आपको एक ऐसे ही बंपर शेयर के बारे में बताने जा रहे हैं। इस शेयर ने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। इस शेयर में पैसा लगाने वाले निवेशक अमीर हो गए हैं। पिछले तीन वर्षों में इस शेयर ने निवेशकों को 740 फीसदी का तगड़ा रिटर्न दिया है। पिछले 20 वर्षों में इस शेयर ने निवेशकों की संपत्ति करीब 85 गुना तक बढ़ा दी है। आप किसी भी शेयर में निवेश करने से पहले एक बार अपने वित्तीय सलाहाकार से बात जरूर कर लें।

मालामाल हुए निवेशक

निवेशकों को बंपर रिटर्न देने वाला यह शेयर किलबर्न इंजीनियरिंग लिमिटेड का है। इस कंपनी की मार्केट वैल्यू 382.44 करोड़ रुपये है। यह एक स्मॉलकैप कंपनी है। किलबर्न इंजीनियरिंग इंडस्ट्रिल प्रोडक्ट्स बनाने के कारोबार में लगी हुई है। आज से तीन वर्ष पहले किलबर्न इंजीनियरिंग के शेयर बीएसई पर 12.55 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। वहीं बीते शुक्रवार यानी 5 मई 2023 को कंपनी के शेयर 106.05 रुपये के भाव पर बंद हुए थे। इन तीन सालों में सेंसेक्स करीब 95 फीसदी बढ़ा है। वहीं किलबर्न इंजीनियरिंग के शेयर 745 फीसदी तक बढ़ गए हैं।

1 लाख लगाने वालों को मिले 8 लाख से ज्यादा

किलबर्न इंजीनियरिंग के शेयर में अगर किसी ने आज से तीन वर्ष पहले एक लाख रुपये का निवेश किया होता तो आज उसे 8.45 लाख रुपये से ज्यादा का रिटर्न मिलता। पिछले तीन वर्षों में शेयर की कीमत 745 फीसदी बढ़ी है। लॉन्ग टर्म में निवेश करने वालों को शानदार रिटर्न मिला है। बता दें कि किलबर्न इंजीनियरिंग के शेयर 21 साल पहले बीएसई पर लिस्ट हुए थे। कंपनी के शेयरों की कीमत उस समय 1.24 रुपये थी।

फिर बढ़ा अपना भंडार, पहुंचा 10 महीने के शीर्ष पर, पाकिस्तान की निकल गई शेखी

नई दिल्ली, एजेंसी। अप्रैल का अंतिम सप्ताह कुछ मायनों में अच्छा रहा। इस दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार खूब बढ़ा। बीते 28 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व में 4.532 अरब डॉलर की जोरदार बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले ही, मतलब कि 21 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान इसमें 2.16 अरब डॉलर की कमी हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 588.780 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इसी सप्ताह पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हुई है। बीते 28 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में 56 लाख डॉलर की कमी हुई है। अब वहां 4.457 अरब डॉलर का ही भंडार रह गया है।

भारत के डॉलर भंडार में जोरदार बढ़ोतरी

रिजर्व बैंक की तरफ से से जारी आंकड़ों के मुताबिक बीते 28 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार में 4.532 अरब डॉलर की जोरदार बढ़ोतरी हुई है। इसी के साथ अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार

588.780 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पहले 21 अप्रैल 2023 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार में 2.16 अरब डॉलर की कमी हुई थी। उससे एक सप्ताह पहले 1.567 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी। अक्टूबर 2021 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों पर गौर करें तो 28 अप्रैल 2023 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना अपना फॉरेन करेंसी असेट भी बढ़ा है। आलोच्य सप्ताह के दौरान यह 4.99 अरब डॉलर बढ़ कर 519.48 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 2.146 अरब डॉलर की कमी हुई थी। तब यह घट कर 514.489 अरब डॉलर रह गया था। उल्लेखनीय है कि कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। बीते 28 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान देश के सोने के भंडार (त्रश्वद्यस्र ह्लद्गह्यद्गह्ल1द्गह्य) का मूल्य घट गया है। आलोच्य सप्ताह के दौरान यह 49.4 करोड़ डॉलर घट कर 45.65 अरब डॉलर रह गया है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 2.4 करोड़ डॉलर की कमी हुई थी। जब अपना स्वर्ण भंडार 46.151 अरब डॉलर तक गिर गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह के दौरान भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार (स्ष्ठक्र) में बढ़ोतरी हुई है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान यह 3.5 करोड़ डॉलर घट कर 18.466 अरब डॉलर रह गया है। इससे पहले के सप्ताह के दौरान भी इसमें 1.9 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी। हालांकि, समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में रखा देश का रिजर्व भंडार 4 करोड़ डॉलर घटकर 5.172 अरब डॉलर रह गया।

पाकिस्तान में घटा डॉलर भंडार: पाकिस्तान के आर्थिक हालात की बात करें तो इस समय वहां कंगाली जैसी स्थिति दिखती है। वहां बीते 28 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में 56 लाख डॉलर की कमी हुई।

सख्ती: म्यूचुअल फंड और ब्रोकर नहीं कर सकेंगे फाइनेंशियल इन्फ्लूएंसर्स का इस्तेमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रोकरों और म्यूचुअल फंडों को विज्ञापन और मार्केटिंग अभियानों में फाइनेंशियल इन्फ्लूएंसर्स के इस्तेमाल पर सेबी रोक लगाएगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि महामारी में इक्विटी बाजारों में खुदरा निवेशकों में उछाल से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सलाह देने वालों की बाढ़ आ गई है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को डर है कि ऐसे इन्फ्लूएंसर्स निवेशकों को गुमराह कर सकते हैं। सेबी ब्रोकरों, पंजीकृत ट्रेडरों और म्यूचुअल फंड हाउसों से उन इन्फ्लूएंसर्स के साथ जुड़ने से मना करने की योजना बना रहा है, जो गुमराह करने वाली सलाह देते हैं और निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं। सेबी इस नियम को लागू करने से पहले उद्योग की सलाह लेगा। उसके बाद यह परिभाषित होगा कि कौन सी सलाह भ्रामक है। इसके बाद इस नियम के उल्लंघन पर जुर्माना और बाजार में कारोबार पर प्रतिबंध जैसे दंड लगाए जाएंगे।

सेबी के दायरे से बाहर है इन्फ्लूएंसर्स को रेगुलेट करना

फाइनेंशियल इन्फ्लूएंसर्स को रेगुलेट करना सेबी के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। हालांकि, पंजीकृत बाजार बिचौलियों के जरिये विज्ञापन, इवेंट्स और अन्य के साथ इन्फ्लूएंसर्स को जुड़ने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। म्यूचुअल फंड और ब्रोकरों को ऐसे सलाहकारों से दूर रहने की सलाह दी जा सकती है।

मीशो ने 251 कर्मियों को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली। लागत कम करने की योजना के तहत ई-कॉमर्स कंपनी मीशो ने 251 कर्मचारियों को निकाल दिया है। यह कुल कर्मचारी का करीब 15 फीसदी हिस्सा है। कंपनी के सीईओ विदित अत्रे ने इस संबंध में कर्मचारियों को एक ईमेल भेजकर जानकारी दी।

श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर मार्च में 2.69 अरब डॉलर पर

कोलंबो, एजेंसी। कर्ज से दबे श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार इस साल मार्च में बढ़कर 2.69 अरब डॉलर हो गया। एक साल पहले इसी महीने में विदेशी मुद्रा भंडार पांच करोड़ डॉलर था। सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका के शुक्रवार को जारी आंकड़ों से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में कुछ सुधार के संकेत मिल रहे हैं। श्रीलंका वित्तीय संकट में है और उस पर कुल 83.6 अरब डॉलर कर्ज है, जिसमें से विदेशी कर्ज 42.6 अरब डॉलर जबकि घरेलू कर्ज 42 अरब डॉलर है। श्रीलंका ने अप्रैल, 2022 में अपनी पहली ऋण चूक की घोषणा की थी। यह 1948 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिलने के बाद उसका सबसे खराब आर्थिक संकट था, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हो गई थी और महंगाई तथा उत्पादों की कमी को लेकर जनता सड़कों पर उतर आई थी। आंकड़ों के अनुसार, श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले वर्ष मई के पांच करोड़ डॉलर से सुधरकर अब मार्च, 2023 में 2.69 अरब डॉलर हो गया है।

अडाणी पावर का मुनाफा चौथी तिमाही में 13 प्रतिशत बढ़कर 5,242 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली, एजेंसी। अडाणी पावर लिमिटेड (एपीएल) का एकीकृत शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2022-23 की मार्च तिमाही में करीब 13 प्रतिशत बढ़कर 5,242 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 4,645 करोड़ रुपये था। एपीएल ने कहा, वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में एकीकृत पीएटी (कर पश्चात लाभ) बढ़ा है... ऐसा कम वित्त लागत के साथ ही विलय योजना के चलते हुआ। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय सालाना आधार पर 13,307 करोड़ रुपये से घटकर 10,795 करोड़ रुपये रह गई। दूसरी ओर कुल खर्च सालाना आधार पर 7,174 करोड़ रुपये से बढ़कर 9,897 करोड़ रुपये हो गया।

दाम में भारी गिरावट: नासिक में बेवक्त बारिश में भीगा प्याज

गोरखपुर, एजेंसी। अक्सर ही अपनी ऊंची कीमत से लोगों के आंसू निकालने वाले प्याज का दम निकल गया है। इन दिनों प्याज की आवक मांग की तुलना में काफी अधिक है। ऐसे में व्यापारियों को प्याज सस्ते दामों पर बेचना पड़ रहा है।

महेवा स्थित थोक मंडी में हर दिन प्याज की खपत 120 से 160 टन के बीच है। लेकिन, इन दिनों करीब 200 टन प्याज प्रतिदिन मंडी में आ रहा है। यहां सबसे ज्यादा प्याज महाराष्ट्र के नासिक से आता है। मध्य प्रदेश के इंदौर और बंगाल से भी प्याज मंडी में आता है।

करीब 15 दिन पहले नासिक में असमय बारिश हो गई। ऐसे में कारोबारियों ने प्याज खराब होने से पहले इसे जल्द बेचने की कवायद

शुरू कर दी है। इसका नतीजा है कि इन दिनों महेवा मंडी में प्याज ज्यादा आ रहा है। भीगने के कारण बोरे में काफी मात्रा में प्याज खराब निकल रहे हैं, इससे व्यापारी प्याज को औने-पौने दामों पर बेच रहे हैं।

थोक मंडी में शुक्रवार को प्याज का कीमत 11 रुपये से 15 रुपये के बीच रहा। 11 से 13 रुपये के बीच, जो प्याज मंडी में है, वह काफी खराब निकल रहा है। वहीं 14 से 15 रुपये किलो बिकने वाले प्याज की क्वालिटी अच्छी है। फुटकर बाजार में प्याज 16 से 20 रुपये प्रति किलो के बीच बिक रहा है। व्यापारियों को उम्मीद है कि अगले सप्ताह से अच्छी प्याज बाजार में आ जाएगा, इससे प्याज का कीमत अच्छा मिलेगा।

प्याज व्यापारी शम्स अहमद राइन ने कहा कि नासिक में बारिश के कारण प्याज खराब हो रहा है, व्यापारी जल्द से जल्द इसे बेचना चाहते हैं, ऐसे में मांग की तुलना में काफी अधिक प्याज का आवक मंडी में हो रहा है। प्याज व्यापारी रतन ने कहा कि मंडी में इन दिनों जो प्याज आ रहा है, वह काफी खराब निकल रहा है। इससे काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। व्यापारियों को आने वाले दिनों में प्याज के दाम में तेजी आने की उम्मीद है।

थोक में 30 रुपये किलो बिक रही मूली

ठंड के मौसम में पांच रुपये किलो बिकने वाली मूली इन दिनों थोक मंडी में 30 रुपये प्रति किलो बिक रही है। वहीं फुटकर बाजार में मूली 60 रुपये किलो तक बेची जा रही है। थोक सब्जी व्यापारी अवध गुप्ता ने बताया कि इन दिनों मूली का सीजन नहीं है। मंडी में जो मूली है, वह छत्तीसगढ़ से आ रही है। वह भी मांग की तुलना में काफी कम है, इसलिए मूली के दाम बढ़े हुए हैं।

चाय के साथ ही सब्जियों का जायका बढ़ाने वाले अदरक के भाव बढ़ गए हैं। आवक कम होने से अदरक के दाम थोक मंडी में 200 रुपये किलो तक पहुंच गए हैं। वहीं फुटकर मंडी में यह 250 रुपये किलो तक बिक रहा है। महंगा होने के कारण अदरक अधिकतर चाय की दुकानों से गायब है। एक सप्ताह पहले थोक मंडी में अदरक की कीमत 80 से 100 रुपये प्रति किलो के बीच थी, लेकिन लगन खुलने के बाद अचानक से अदरक की मांग में उछाल आ गया। मांग की तुलना में आवक कम होने से एक सप्ताह में अदरक के दाम दोगुने हो गए हैं। असुरन के सब्जी दुकानदार राकेश ने बताया कि अधिकर लोग पांच या 10 रुपये के अदरक खरीदते हैं, ऐसे में इतना महंगा अदरक बेचने में नुकसान उठाना पड़ेगा।

संपादकीय

जांच में तेजी लाएं

दिल्ली के जंतर-मंतर पर 23 अप्रैल से शुरू हुआ पहलवानों का दूसरे दौर का धरना खत्म होना तो दूर उलटे यह मामला और पेचीदा होता जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इस मामले में कोई और व्यवस्था दिए बगैर सुनवाई समाप्त कर दी। हालांकि इसे मामले के मेरिट पर किसी तरह की टिप्पणी नहीं माना जा सकता। इस बीच, बुधवार रात जंतर-मंतर पर हुई पुलिस के साथ पहलवानों की झड़प के बाद माहौल और गरमा गया है। वैसे, इस मामले में दोनों का अपना पक्ष है। जहां पहलवानों की तरफ से मानवीय नजरिया अपनाते हुए कहा जा सकता है कि बारिश के चलते जमीन गीली होने के कारण रात में अगर उनके लिए फोल्डिंग खाट का इंतजाम किया जा रहा था तो यह कोई ऐसी बात नहीं थी जो समझी न जा सके। लेकिन पुलिस की यह बात भी सही है कि जंतर-मंतर कोई ऐसी जगह नहीं है जहां कोई भी, कभी भी मनमाने ढंग से कुछ भी ले आए। वहां धरने पर बैठे लोगों को एक अनुशासन में रहना पड़ता है। उन्हें जरूरी वस्तुओं की सूची पुलिस को देनी पड़ती है, उसकी इजाजत लेनी पड़ती है। ऐसे में रात-बिरात किसी खास राजनीतिक दल से जुड़ा कोई विधायक बिना इजाजत वहां फोल्डिंग खाट लेकर पहुंच जाए तो ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों का उसे रोकना स्वाभाविक है। लेकिन फिर भी, इस मामले ने जितना अप्रिय मोड़ ले लिया, उसकी जरूरत नहीं थी। इसे बेहतर ढंग से निपटाया जा सकता था। दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप के बीच दिल्ली पुलिस ने मामले की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच की बात कही है, जिसका स्वागत होना चाहिए। बहरहाल, ज्यादा चिंता की बात यह है कि अपनी शिकायतों के साथ पहलवानों का धरना लगातार जारी है। इस गतिरोध को दूर करने के कोई गंभीर प्रयास होते नहीं दिख रहे। आरोपों के घेरे में आए कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष भी मीडिया में अपनी बात कह रहे हैं, जिसका उन्हें हक है। लेकिन इससे बात कुछ आगे नहीं बढ़ रही। मूल सवाल यह है ही नहीं कि कौन सी राजनीतिक ताकतें इस मामले का कैसे इस्तेमाल कर रही हैं और किसका क्या स्वार्थ सध रहा है। बड़ा सवाल यह है कि जो आरोप महिला पहलवानों ने लगाए हैं, उनमें कितनी सचाई है। और इसका जवाब दोनों तरफ के दावों-प्रति दावों से नहीं बल्कि जांच-पड़ताल से ही मिलेगा। ऐसी जांच रातों-रात नहीं हो सकती, उसमें वक्त लगेगा। लेकिन सभी संबंधित पक्षों को यह भरोसा होना चाहिए कि जांच के नाम पर लीपापोती नहीं होगी। इसी बिंदु पर कमी दिख रही है। पहलवानों को विश्वास दिलाने की कोई ठोस कोशिश भी नजर नहीं आ रही। बुधवार को भारतीय ओलिंपिक संघ की प्रमुख पीटी उषा का जंतर-मंतर पहुंचकर पहलवानों से मिलना जरूर एक पॉजिटिव कदम कहा जा सकता है। लेकिन यह काफी नहीं। आश्वस्त करने वाले ऐसे और कदमों के साथ-साथ जांच में भी तेजी लाने की जरूरत है।

हम बाघ और चीता सहेजते रहे, कहीं हाथी हाथ से न निकल जाए?

(कुणाल वर्मा)

यह विडंबना ही है कि जहां एक तरफ भारत में हाथियों की संख्या बढ़ रही है, वहीं दूसरी तरफ उनके प्राकृतिक आवास तेजी से घट रहे हैं। एशियाई हाथियों की सबसे ज्यादा संख्या भारत में है, जो पूरी दुनिया में मौजूद एशियाई हाथियों की कुल संख्या का तकरीबन 60 प्रतिशत है। ऑस्कर में 'द एलिफेंट व्हिस्पर्स' ने भारतीय हाथियों के प्रति पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया है। अभी इसका जश्न ठंडा भी नहीं पड़ा है कि हाथियों से जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र ने बेहद चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। यह रिपोर्ट कहती है कि एशियन हाथियों ने पूरे एशिया में अपने प्राकृतिक आवास का करीब दो तिहाई हिस्सा खो दिया है। हम मनुष्यों ने विकास के नाम पर जंगलों की कटाई और अवैध कब्जे कर इन हाथियों के प्राकृतिक आवास को नष्ट कर दिया है। इसके कारण जहां एक तरफ इनके अस्तित्व पर संकट गहरा गया है, वहीं मनुष्यों के साथ हिंसक टकराव की आशंका और बढ़ गई है। शोधकर्ताओं ने अपने रिसर्च में बताया है कि एशिया महाद्वीप के 13 देशों में पाए जाने वाले हाथियों ने वर्ष 1700 के बाद से अपने वन और घास के मैदानों का 64त्न से अधिक हिस्सा खो दिया है। हाथियों के प्राकृतिक आवास में सबसे बड़ी गिरावट चीन में दर्ज की गई है। जहां 1700 और 2015 के बीच 94त्न उपयुक्त भूमि खो गई। इसके बाद भारत है, जिसने 86 प्रतिशत भू-भाग को खो दिया। यह बेहद चौंकाने वाले तथ्य हैं और बताने के लिए काफी हैं कि क्यों हाल के वर्षों में भारत में हाथियों और मनुष्यों के बीच हिंसक टकराव बढ़ गया है। नेचर की जर्नल साइंटिफिक की रिपोर्ट बताती है कि भारत और चीन के अलावा बांग्लादेश, थाईलैंड, वियतनाम और इंडोनेशिया के सुमात्रा में आधे से अधिक उपयुक्त हाथी आवास खत्म हो गए हैं। भूटान, नेपाल और श्रीलंका में भी कमोबेश हालात यही हैं। यहां तो हाथियों की संख्या में भी काफी गिरावट दर्ज की जा रही है। रिपोर्ट कहती है कि पहले जहां हाथी अपने आवासीय क्षेत्र के 45 प्रतिशत भू-भाग में स्वच्छंद विचरण करते थे, वहीं अब यह घटकर 7.5 प्रतिशत रह गई है।

हाथियों से संघर्ष में प्रतिवर्ष 500 से अधिक की मौत – भारत में हाथियों के साथ संघर्ष में औसतन प्रतिदिन एक व्यक्ति मारा जा रहा है। भारत में झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़िसा, असम, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु में यह संघर्ष कुछ अधिक है। केंद्रीय वन मंत्रालय की एक रिपार्ट कहती है कि भारत में प्रतिवर्ष करीब पांच सौ लोगों की मौत इस संघर्ष में हो रही है। हालांकि ऐसा नहीं है कि सिर्फ मनुष्यों की जान जा रही है। नुकसान हाथियों को भी हो रहा है। साल 2020 की उस दर्दनाक तस्वीरों को कोई कैसे भूल सकता है। पूरी दुनिया ने देखा था कि केरल के साइलेंट वैली नेशनल पार्क में एक गर्भवती मादा हाथी ने कैसे तड़प तड़प कर अपनी जान दे दी थी। किसी ने उसे पटाखों से भरा अनानास खिला दिया था। मुंह के अंदर ही पटाखा फट जाने से उसका जबड़ा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। अपनी जलन को कम करने के लिए वह गभर्वती करीब दो सप्ताह तक झील में खड़ी रही। जलन के कारण वो न कुछ खा सकती थी और न पी सकती थी। अंततः उसने गर्भ में पल रहे बच्चे के साथ ही झील में दम तोड़ दिया। इस भयानक, दुखद, क्रूर और अमानवीय कृत्य ने पूरे विश्व को झकझोर कर रख दिया था। भारत सरकार के ही आंकड़े बताते हैं कि हर साल करीब सौ हाथी इस तरह के संघर्ष में अपनी जान गंवा देते हैं।

हाथियों के घटते प्राकृतिक आवास – उत्तराखंड के हरिद्वार-देहरादून के बीच संचालित रेलवे लाइन राजाजी नेशनल पार्क के बीच से गुजरती है। करीबन हर साल यहां ट्रेन से कटकर हाथियों की दर्दनाक मौत होती है। हाथियों के लिए इस खूनी ट्रैक पर बीते कुछ वर्षों में 32 हाथी मर चुके हैं। पर आज तक इन हादसों को रोकने का स्थाई समाधान नहीं निकाला जा सका है। ऐसा भी नहीं है कि हाथियों के संरक्षण के लिए प्रयास नहीं हो रहे हैं। पूरे विश्व में बाघ, चीते और अन्य विलुप्त हो रहे जीवों के साथ हाथियों को भी शेड्यूल के तहत संरक्षण दिया गया है। इनके प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए साल 2012 से हर साल 12 अगस्त को विश्व हाथी दिवस मनाया जाने लगा है। भारत सरकार ने तो वर्ष 1992 में ही हाथी परियोजना का शुभारंभ कर दिया था। इसके अच्छे परिणाम भी सामने आए हैं। देश में हाथियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। केंद्रीय वन मंत्रालय ने एलिफेंट प्रोजेक्ट के तहत वर्ष 2017 में देश में हाथियों की जनगणना कराई थी। इसके अनुसार देश में हाथियों की कुल संख्या 29,964 थी, जो 1993 में 25569 थी। पर यह विडंबना ही है कि जहां एक तरफ भारत में हाथियों की संख्या बढ़ रही है वहीं दूसरी तरफ उनके प्राकृतिक आवास तेजी से घट रहे हैं। एशियाई हाथियों की सबसे ज्यादा संख्या भारत में है, जो पूरी दुनिया में मौजूद एशियाई हाथियों की कुल संख्या का तकरीबन 60 प्रतिशत है।दूसरी तरफ तेजी से घट रहे हाथियों के प्राकृतिक आवास ने मनुष्यों के साथ उसके बढ़ते संघर्ष को और गंभीर बना दिया है। विकास समय की मांग है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। पर विकास के साथ ही हाथियों के सुरक्षित कॉरिडोर को और अधिक बढ़ाने की जरूरत से भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता है। यह वैसे ही संभव किया जा सकता है जैसे हम बाघ और चीतों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्धता दिखा रहे हैं।

चिंता : परमाणु कचरे का खतरनाक पहलू और कार्बन मुक्त ऊर्जा के सुरक्षित विकल्प की दरकार

विगत फरवरी में जापान के फुकुशिमा परमाणु संयंत्र के अपने दौरे पर न्यूयॉर्क की प्रतिनिधि अलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कॉर्टेज ने कुछ नया अनुभव किया । उन्होंने बिना किसी डर के विकिरण के जोखिम और परमाणु कचरे पर चर्चा की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपने 86 लाख फॉलोअर्स को बताया कि उस यात्रा के दौरान उन पर जो विकिरण का प्रभाव पड़ा, वह सीखने लायक था। इसके बाद उन्होंने फ्रांस की प्रशंसा की, 'जो अपने कचरे को रीसाइकल करता है, अपने सिस्टम की दक्षता बढ़ाता है और इससे निपटने के लिए रेडियोधर्मी कचरे की कुल मात्रा को कम करता है।

(मैडिसन हिली)

इंजीनियरों, विकिरण विशेषज्ञों और अपशिष्ट प्रबंधकों से बात करने के बाद पता चलता है कि परमाणु कचरे को लेकर डर हमें एक शक्तिशाली, स्वच्छ ऊर्जा स्रोत को अपनाने से रोक रहा है, जिसकी हमें जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यकता है। हमें इसे कार्बन मुक्त ऊर्जा का सुरक्षित बाई प्रोडक्ट समझना चाहिए।

विगत फरवरी में जापान के फुकुशिमा परमाणु संयंत्र के अपने दौरे पर न्यूयॉर्क की प्रतिनिधि अलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कॉर्टेज ने कुछ नया अनुभव किया । उन्होंने बिना किसी डर के विकिरण के जोखिम और परमाणु कचरे पर चर्चा की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपने 86 लाख फॉलोअर्स को बताया कि उस यात्रा के दौरान उन पर जो विकिरण का प्रभाव पड़ा, वह सीखने लायक था। इसके बाद उन्होंने फ्रांस की प्रशंसा की, 'जो अपने कचरे को रीसाइकल करता है, अपने सिस्टम की दक्षता बढ़ाता है और इससे निपटने के लिए रेडियोधर्मी कचरे की कुल मात्रा को कम करता है।'

सिएरा क्लब और प्राकृतिक संसाधन रक्षा परिषद जैसे पर्यावरणीय समूहों के साथ प्रगतिशील सांसद ऐतिहासिक रूप से परमाणु ऊर्जा के खिलाफ रहे हैं, और अक्सर रेडियोधर्मी कचरे के खतरे, दीर्घजीविता और भंडारण जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

ऐसे में हैरानी नहीं कि कई अमेरिकी मानते हैं कि परमाणु कचरा बहुत बड़ा और भयानक खतरा है। लेकिन इंजीनियरों, विकिरण विशेषज्ञों और अपशिष्ट प्रबंधकों से बात करने के बाद मुझे पता चला है कि यह गलतफहमी हमें एक शक्तिशाली, स्वच्छ ऊर्जा स्रोत को अपनाने से रोक रही है, जिसकी हमें जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यकता है। हमें परमाणु कचरे को एक खतरनाक समस्या के रूप में देखना बंद करना चाहिए और इसे कार्बन मुक्त ऊर्जा का सुरक्षित बाई प्रोडक्ट समझना चाहिए। कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए परमाणु ऊर्जा क्यों महत्वपूर्ण है? दरअसल जिन देशों ने अपने ऊर्जा उत्पादन को सबसे तेजी से स्वच्छ बनाया है, उन्होंने आम तौर पर पनबिजली, परमाणु, या दोनों के संयोजन के साथ ऐसा किया है।

परमाणु का विशिष्ट लाभ यह है कि इसके लिए बहुत कम भूमि की आवश्यकता होती है और यह मौसम (दिन के समय या मौसम) की परवाह किए बिना बहुत अधिक बिजली का उत्पादन कर सकता है। पवन और सौर ऊर्जा के विपरीत, यह बैकअप या भंडारण के बिना सीधे जीवाश्म ईंधन का विकल्प बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का मानना है कि यह इतना महत्वपूर्ण है कि कुल-शून्य उत्सर्जन लक्ष्य तक पहुंचने के लिए वैश्विक परमाणु क्षमता को 2050 तक दोगुना करना होगा। यही वजह है कि कुछ अमेरिकी निवेशक, नीति निर्माता और यहां तक कि फिल्म निर्देशक ओलिवर स्टोन भी परमाणु क्षमताओं के व्यापक विस्तार का आह्वान कर रहे हैं। मुद्रास्फीति कटौती अधिनियम अब 54 मौजूदा संचालित संयंत्रों के लिए ऋण और नए संयंत्रों को प्रोत्साहित के लिए सैकड़ों खरब डॉलर खर्च कर रहा है। देश भर के प्रांत परमाणु निर्माण पर दशकों पुराने प्रतिबंध हटा रहे हैं और निवेश के अवसर तलाश रहे हैं। व्योमिंग में एक खत्म हो चुके कोयला संयंत्र की जगह एक परमाणु रिएक्टर की परियोजना पर काम चल रहा है।

वास्तव में, परमाणु ईंधन चमकदार धातु ट्यूबों से बना होता है, जिसमें यूरेनियम ऑक्साइड की छोटी गोलियां होती हैं। इन ट्यूबों को बंडलों में इकट्ठा किया जाता है और रिएक्टर में लोड किया जाता है। ऊर्जा बनाने के पांच साल बाद बंडल बाहर निकलते हैं, जिसमें ऊर्जा बनाने वाली प्रतिक्रियाओं से बचे हुए रेडियोधर्मी कण होते हैं। इन बंडलों को अगले पांच से दस साल या उससे भी अधिक समय तक पानी में ठंडा होने के लिए छोड़ दिया जाता है। उसके बाद उन्हे संयंत्र में भंडारण के लिए स्टील या कंकरीट के कंटेनरों (पीपों) में रखा जाता है। इन पीपों को 100 वर्षों तक चलने और लगभग किसी भी चीज यानी तूफान, गंभीर बाढ़, अत्यधिक तापमान, यहां तक कि मिसाइल हमले का भी सामना करने के लिए तैयार किया गया है।

आज तक कहीं भी पीपों से कोई मौत, चोट या परमाणु कचरे का गंभीर पर्यावरणीय रिसाव नहीं हुआ है। और कचरे को दूसरे पीपों में स्थानांतरित किया जा सकता है, भंडारण को एक बार में एक सदी तक बढ़ाया जा सकता है। ऐसे परमाणु कचरे के साथ रेडियो आइसोटोप ट्रिटियम युक्त पानी का जिक्र नहीं किया जा रहा है, जिसका परमाणु संयंत्र नियमित रूप से रिसाव करते हैं। परमाणु विरोधी कार्यकर्ता समूह लोगों को व्यर्थ ही डराते रहते हैं, जबकि फुकुशिमा से छोड़े जा रहे उपचारित पानी एक गैलन से अधिक पीने से विकिरण का खतरा एक केला खाने के विकिरण के जोखिम के बराबर है! जिस तरह से विकिरण काम करता है, सबसे अधिक रेडियोधर्मी परमाणु कचरे सबसे कम समय तक टिकते हैं, जबकि बेहद कम खतरनाक परमाणु कचरे लंबे समय तक चलते हैं। ईंधन के बेकार हो जाने के लगभग 40 साल बाद, गोलियों की गर्मी और रेडियोधर्मिता में 99 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आती है। लगभग 500 वर्षों के बाद, कचरे टूट जाएंगे और तभी ज्यादा नुकसान पहुंचाएंगे, जब उन्हें सांसों के जरिये या मुंह के जरिये अंदर निगला जाएगा।

इसकी तुलना अन्य खतरनाक औद्योगिक सामग्रियों से करें, जिन्हें हम कम सुरक्षित तरीके से संग्रहित करते हैं और जो समय के साथ कम विषाक्त नहीं होती हैं। उदाहरण के लिए, अमोनिया को लेते हैं – यह अत्यधिक विषैली, संक्षारक, विस्फोटक और रिसने वाली होती है। 2010 के बाद से अमोनिया से संबंधित सैकड़ों दुर्घटनाओं और यहां तक कि कुछ मौतों की सूचना मिली है, और हम उर्वरक और अन्य उपयोगों के लिए सालाना लाखों टन अमोनिया का उत्पादन और पाइप लाइनों, जहाजों और ट्रेनों द्वारा परिवहन जारी रखते हैं। इसके बावजूद परमाणु कचरा अनेक लोगों की कल्पनाओं में एक बड़ा जोखिम है, उन लोगों के लिए तो और भी, जिन्होंने शीतयुद्ध का दौर देखा है। ऐसे में, इसके स्थायी समाधान की बातचीत होती है। जैसे नेवादा में प्रस्तावित युक्का माउंटेन परियोजना, जिसमें परमाणु कचरे को धरती के बहुत नीचे दफनाने का प्रावधान है।

ऐसी सुविधा का निर्माण करने में विफल रहने से कुछ लोगों को चिंता है कि हम अगली पीढ़ी पर कचरा प्रबंधन का बोझ लाद रहे हैं। पर मेरी जैसी कम उम्र स्त्री यह मानती है कि हम बेहद संतोषजनक तरीके से परमाणु कचरे का प्रबंधन कर रहे हैं। यह परमाणु कचरा ही दुनिया को परमाणु ऊर्जा की तरफ मोड़ने के लिए काफी होना चाहिए। पर्यावरण की चिंता करने वाले लोगों को तो और भी इसके साथ खड़ा होना चाहिए, क्योंकि इसका भंडारण आसानी से किया जा सकता है, समय के साथ यह सुरक्षित होता जाता है, और इसे रीसाइकल किया जा सकता है। परमाणु ईंधन का प्रत्येक पीपा सुरक्षित और बेहतर भविष्य की उम्मीद जगाता है। (लेखिका ग्रीन न्यूक्लियर डील अभियान की संस्थापक हैं और न्यूयॉर्क टाइम्स से ताल्लुक रखती हैं)

कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम कर दिया है

कर्नाटक में विधानसभा चुनाव काफी दिलचस्प होने जा रहे हैं, इन चुनावों के परिणामों का असर कांग्रेस की भावी स्थितियों के साथ राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों पर भी पड़ेगा। इन चुनावों से विपक्षी एकता की प्रक्रिया में कांग्रेस की भूमिका भी तय होने की दिशाएं सामने आयेंगी। इस लिहाज से कर्नाटक चुनाव महत्त्वपूर्ण होने के साथ भविष्य की भारतीय राजनीति की दिशाओं को मोड़ देगी। कांग्रेस ने इन चुनावों से काफी उम्मीदें लगा रखी हैं, वहीं भाजपा की ओर से हर बार की तरह इस बार भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही जोरदार एवं धारदार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। कांग्रेस ने बजरंग दल पर बैन लगाने की बात अपने घोषणा पत्र में करके जीत की ओर बढ़ते अपने कदमों पर विराम ही लगाया है।

(ललित गर्ग)

इन चुनावों का एक अन्य पहलू यह है कि दोनों तीखी टक्कर वाले दलों ने राष्ट्रीय मुद्दों को भी पर्याप्त तवज्जो दी है। बीजेपी ने सीधे तौर पर राम मंदिर की बात भले न की हो, लेकिन समान नागरिक संहिता और एनआरसी लागू करने का वादा जरूर किया है।

कर्नाटक में विधानसभा चुनाव काफी दिलचस्प होने जा रहे हैं, इन चुनावों के परिणामों का असर कांग्रेस की भावी स्थितियों के साथ राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों पर भी पड़ेगा। इन चुनावों से विपक्षी एकता की प्रक्रिया में कांग्रेस की भूमिका भी तय होने की दिशाएं सामने आयेंगी। इस लिहाज से कर्नाटक चुनाव महत्त्वपूर्ण होने के साथ भविष्य की भारतीय राजनीति की दिशाओं को मोड़ देगी। कांग्रेस ने इन चुनावों से काफी उम्मीदें लगा रखी हैं, वहीं भाजपा की ओर से हर बार की तरह इस बार भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही जोरदार एवं धारदार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। कांग्रेस ने बजरंग दल पर बैन लगाने की बात अपने घोषणा पत्र में करके जीत की ओर बढ़ते अपने कदमों पर विराम ही लगाया है। क्योंकि भाजपा इसे हिन्दू भावनाओं के मान-सम्मान से जोड़ रही है, देश में बह रही हिन्दूवादी लहर के दौर में निश्चित ही इसके नकारात्मक असर देखने को मिलेंगे। हर तरह की चहलकदमी के बावजूद यह चुनाव भी मुद्दों से भटकता हुआ दिखाई दे रहा है।कर्नाटक में मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, विधानसभा चुनाव मुद्दों से भटक कर धार्मिक भावनाओं पर केंद्रित होता दिख रहा है। मुफ्त रेवड़ियों के चुनावी वादे दक्षिण की पुरानी परंपरा है, लेकिन अब शिव के गले के सांप और बजरंग बली भी चुनावी मुद्दा बन गए हैं। दक्षिण भारत में भाजपा का प्रवेश द्वार बने कर्नाटक को सामाजिक-आर्थिक रूप से बेहतर राज्यों में गिना जाता है, पर कटु सत्य यही है कि वहां की राजनीति जातीय बंधनों से मुक्त नहीं हो पाई है। राज्य में लिंगायत, वोक्कालिगा और कुरुबा- तीन बड़े समुदाय हैं। राजनीतिक दल इनके बीच अपनी वोट-राजनीति का सही गणित बैठा कर ही सत्ता की राह तलाशते रहे हैं। इस बार भी चुनावी परिदृश्य इसी गुणा-भाग से शुरू होता हुआ दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के रूप में सबसे बड़े लिंगायत समुदाय के बड़े चेहरे भाजपा के पास हैं, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर और पूर्व उप मुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी के बगावत कर कांग्रेस में चले जाने से उसे झटका भी लगा है। कांग्रेस के पास पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के रूप में कुरुबा समुदाय तथा प्रदेश अध्यक्ष डी.के. शिव कुमार के रूप में वोक्कालिगा समुदाय के बड़े चेहरे पहले से हैं। ऐसे में माना जा सकता है कि शेट्टर और सावदी के पाला बदलने से उसे लाभ ही हुआ। इन जातिगत समीकरणों के बीच धार्मिक भावनाओं का असर भी अपना जादू दिखा दे तो कोई आश्चर्य नहीं।

कांग्रेस की स्थितियां मजबूत होने के बावजूद भाजपा कोई चमत्कार घटित कर दे, इससे भी इन्कार नहीं किया जा सकता। कांग्रेस भले ही येदियुरप्पा और बोम्मई के नेतृत्व वाली भाजपा सरकारों के कामकाज को मुद्दा बनाये या जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक और जंतर-मंतर पर पहलवानों के धरने उसके लिये अतिरिक्त मुद्दे हैं। लोक लुभावन वादों वाले भाजपाई घोषणापत्र के जवाब में वैसे ही या और आगे बढ़ते हुए कांग्रेसी वादे भी राजनीतिक रूप से समझ में आते हैं, पर पीएफआई के साथ ही बजरंग दल पर प्रतिबंध के वादे ने तो भाजपा को मनवांछित मुद्दा उपलब्ध करा दिया है। पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जहरीला सांप बता कर अवांछित और अशोभनीय विवाद पैदा किया, तो अब बजरंग दल और पीएफआई को एक ही श्रेणी में रख कर कांग्रेस ने चुनाव को असल मुद्दों से भटका कर भावनाओं में बह जाने या बहा लिए जाने का मौका खुद दे दिया है।

बजरंग दल का मुद्दा प्रभावी होने वाला है, क्योंकि कर्नाटक की जनता का हनुमानजी के साथ भावनात्मक एवं धार्मिक जुड़ाव है, बजरंग बली की जन्मभूमि होने का गौरव इसी प्रांत को जाता है। भाजपा तो चाहती ही थी कि ये चुनाव धार्मिक मोड़ ले, बजरंग बली का मुद्दा उछाल कर कांग्रेस ने भाजपा के लिये सहुलियत ही की है। प्रश्न है कि कांग्रेस क्यों एक बार फिर भाजपा द्वारा तैयार चुनावी पिच पर खेलने को तैयार हो गई? बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का सपना देखने वाली कांग्रेस दरअसल अपने पूर्ण पतन का आह्वान कर रही है। बजरंग दल देशभक्त युवाओं का राष्ट्रवादी संगठन है, जो विपत्ति के समय जाति धर्म आदि नहीं देखता और देश के संकट को दूर करने में तन, मन व धन से सहयोग करता है। राजनीतिक दुराग्रह के कारण पीएफआई जैसे आतंकी संगठनों से इसकी तुलना करना जहां निंदनीय है, वहीं राजनीतिक अपरिपक्वता का परिचायक है। कांग्रेस अपनी बची-खुची इज्जत भी ऐसे पूर्वाग्रही कुविचारों के कारण गंवा रही है। यह विडंबना है कि कांग्रेस आतंकवाद की बुराई करने के बजाय राष्ट्रवादी संगठनों को निशाना बनाने की ताक में है। वह शायद बजरंग दल का इतिहास भूल रही है। राम जन्मभूमि आंदोलन को सफल बनाने में इस राष्ट्रवादी संगठन की उल्लेखनीय भूमिका भला कौन नहीं जानता? कांग्रेस ने जब घोषणापत्र जारी किया तो उसमें मुफ्त की सौगातों के साथ इस एक वायदे ने सभी का ध्यान खींचा। लगता है, कांग्रेस जो दिवास्वप्न देख रही है इससे वह जितनी जल्दी बाहर निकल जाए, उतना ही उसके उन्नत राजनीतिक भविष्य के लिये बेहतर होगा।

इन चुनावों का एक अन्य पहलू यह है कि दोनों तीखी टक्कर वाले दलों ने राष्ट्रीय मुद्दों को भी पर्याप्त तवज्जो दी है। बीजेपी ने सीधे तौर पर राम मंदिर की बात भले न की हो, लेकिन समान नागरिक संहिता और एनआरसी लागू करने का वादा जरूर किया है। गौर करने की बात यह है कि कांग्रेस भी इन कथित राष्ट्रीय मुद्दों पर खासी आक्रामक नजर आ रही है। उसने अपने घोषणापत्र में हेटस्पीच के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने की बात कही है। हालांकि पीएफआई पर केंद्र सरकार पांच साल का बैन पहले ही लगा चुकी है। यही नहीं, चार फीसदी मुस्लिम आरक्षण खत्म करने की बीजेपी की घोषणा के जवाब में इसे बहाल करने की बात भी उसने कही है। पिछले कुछ समय से कथित तौर पर विभाजित करने वाले मुद्दों पर कांग्रेस के नरम रवैये में यह एक दिलचस्प बदलाव है। इन तमाम वादों के बीच सवाल सिर्फ यह नहीं कि किसका वादा कितना लुभावना है, देखने वाली बात यह भी होगी कि किसके वादों को मतदाता कितना भरोसेमंद मानते हैं और किस दल को जीत की ओर अग्रसर करते हैं।

दिल्ली में मुफ्त की संस्कृति को बल देने वाले आम आदमी पार्टी के पदचिन्हों पर चलते हुए कांग्रेस एवं भाजपा दोनों ने अपने घोषणापत्रों में मतदाताओं के अलग-अलग वर्गों को लुभाने की कोशिश की है जो स्वाभाविक होने के बावजूद राजनीतिक दशा एवं दिशा पर एक बड़ा सवाल है। लेकिन इस क्रम में मुफ्त की पेशकश करने में किसी ने भी कोई हिचक नहीं दिखाई है। जहां कांग्रेस ने 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने, परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया को हर महीने 2 हजार रुपये देने, बेरोजगार स्नातकों को 3000 रुपये और डिप्लोमाधारकों को 1500 रुपये प्रति माह देने जैसे वादे किए हैं, वहीं बीजेपी ने हर बीपीएल परिवार को रोज आधा किलो नंदिनी दूध देने, लोगों को सस्ता अनाज मुहैया कराने और युगादी, गणेश चतुर्थी तथा दीपावली पर तीन गैस सिलिंडर मुफ्त देने जैसे आश्वासन दिए हैं। चुनावों में मुफ्त रेवड़ियां बांटने को लेकर पिछले दिनों छिड़ी बहस को याद करें तो दोनों पार्टियों के घोषणापत्र का यह हिस्सा उसका उल्लंघन करता मालूम होता है, लेकिन दोनों ही इन वादों को कमजोर तबकों के सशक्तीकरण के अपने संकल्प से जोड़ती हैं। कुछ भी हो हर बार चुनाव में हर दल सिद्धान्तों एवं मूल्यों को किनारे करने में तनिक भी हिचकते नहीं, इन चुनावों में भी इसका हनन हो रहा है। सच भी है कि विकास के वादों और दावों के बावजूद मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग आज भी इस स्थिति में है कि कथित तौर पर मुफ्त या सस्ती चीजें उसके वोट के फैसले को प्रभावित करती हैं।(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

RNI Title Code - JHAHIN01027 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखंड देखो कार्यालय मजिस्ट्रैट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित प्रधान संपादक डॉ. सिकंदर कुमार (मो. नं. 9955599136)
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

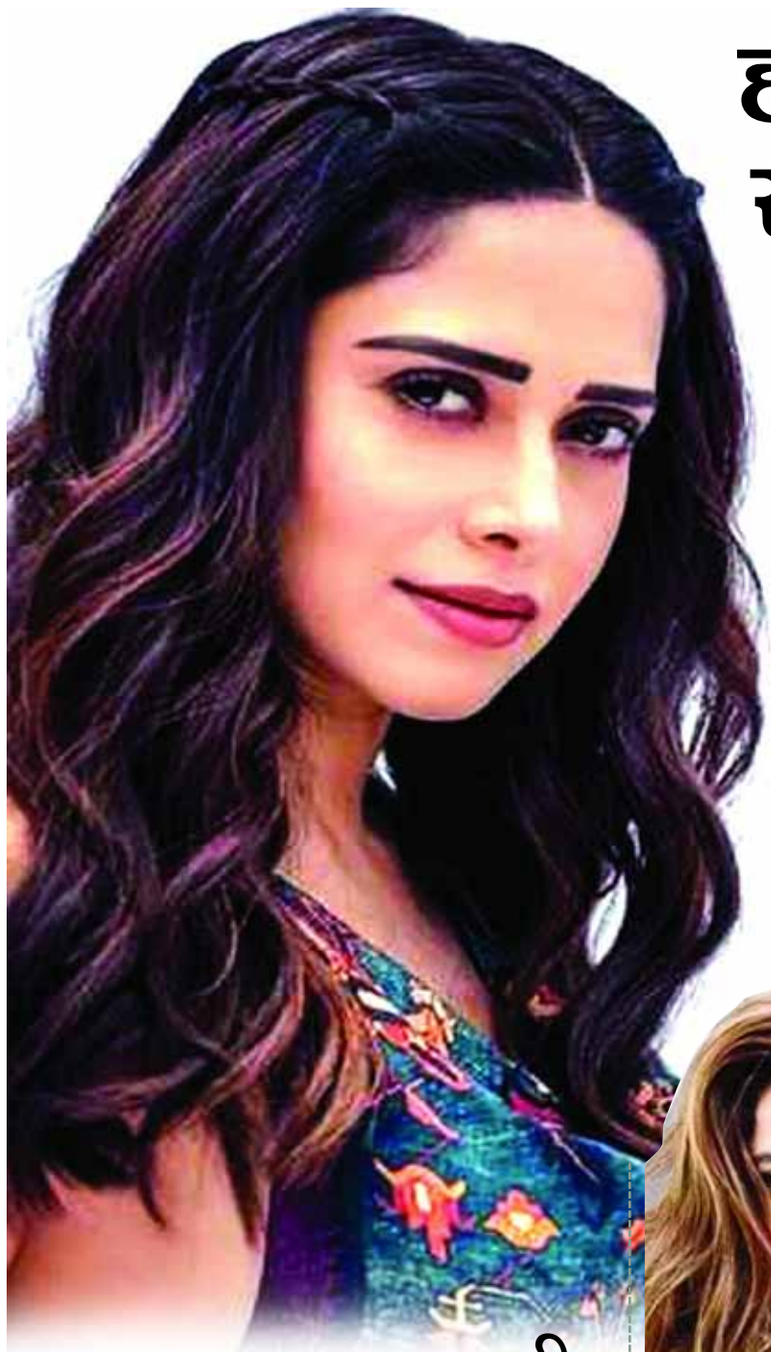

हनी सिंह के साथ रिलेशनशिप रूमर्स पर नुसरत भरूचा बोलीं

सिंगर और रैपर हनी सिंह बीते दिनों प्यार का पंचनामा एक्ट्रेस नुसरत भरूचा के साथ नजर आए। दोनों को एक इवेंट के दौरान हाथों में हाथ डाले स्पॉट किया गया। वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर दोनों के रिलेशनशिप की खबरें सामने आने लगी। हालांकि, अब इस मामले पर नुसरत का रिएक्शन सामने आया है।

उन्होंने कहा कि यह उनके करियर की पहली अफवाह है, इससे पहले उनके साथ ऐसा कभी नहीं हुआ। उन्हें ऐसी खबरों से कोई प्रॉब्लम नहीं। दरअसल, हाल ही में हनी सिंह ने गर्लफ्रेंड टीना थडानी से ब्रेकअप का खुलासा किया था। जिसके बाद उनके और नुसरत के रिलेशनशिप की अटकलें लगाई जाने लगीं।

इससे पहले मैं जहां भी गई, कभी ऐसी कोई अफवाह नहीं उड़ी

इंटरव्यू में नुसरत ने कहा– 'आप जानते हैं कि ये मेरे जीवन की पहली डेटिंग अफवाह है। मैं जहां भी गई हूं, कोई अफवाह नहीं उड़ी है, क्योंकि मैं कभी किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं रही। अब मैं कम से कम बता सकती हूं कि मेरे लिए भी डेटिंग की अफवाह उड़ी थी।'

मुझे लगता है लोगों के पास कोई काम नहीं है

नुसरत ने आगे कहा– 'मुझे इस तरह की खबरों से कोई प्रॉब्लम नहीं है, क्योंकि यह वाकई मुझपर कोई असर नहीं डालती हैं।' उन्होंने आगे कहा– 'मुझे लगता है कि लोगों के पास जीवन में कोई काम नहीं है और वो खुद से चीजें इमैजिन कर लेते हैं। तो उन्हें करते रहना चाहिए, इससे मुझे कोई परेशानी नहीं हैं।' बता दें कि नुसरत भरूचा ने 2021 में यो यो हनी सिंह के गाने सइयां जी में काम किया था।

टीना थडानी से अलग हुए हनी सिंह एक साल से कर रहे थे डेट

अप्रैल में खबरें सामने आईं कि सिंगर–रैपर हनी सिंह और मॉडल टीना थडानी का ब्रेक अप हो गया है। हनी सिंह और टीना एक–दूसरे को पिछले एक साल से डेट कर रहे थे। दोनों ने ब्रेकअप के बाद एक–दूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया और साथ शेयर की हुई फोटोज भी डिलीट कर दीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों अपनी जिंदगी में काफी अलग–अलग चीजें चाहते थे इसलिए उन्होंने अलग होने का फैसला किया।

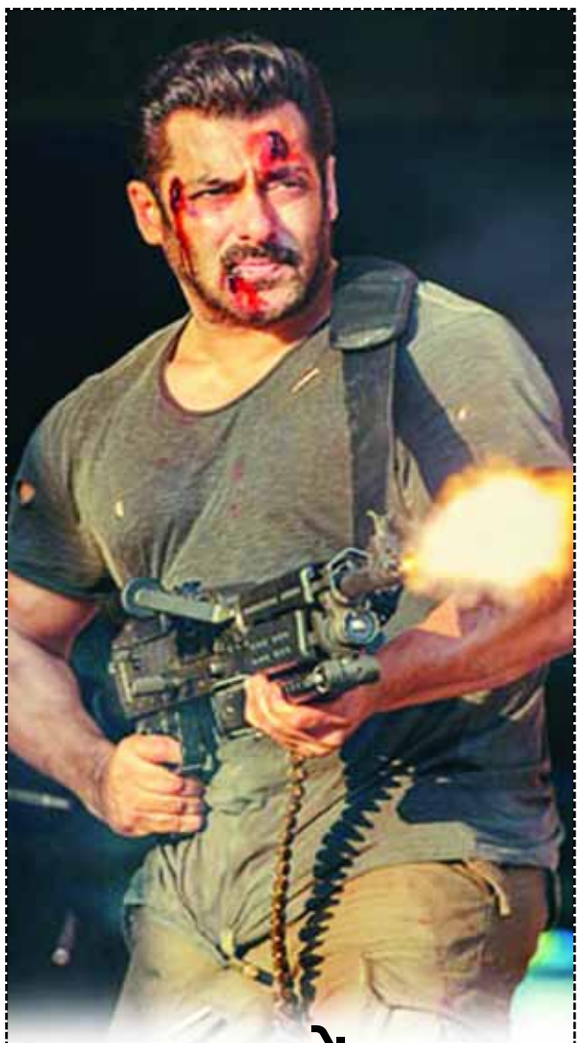

टाइगर 3 में एक्शन सीक्वेंस के लिए 35 करोड़ का सेट

सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 में शाहरुख खान का एक जबरदस्त कैमियो होने वाला है। पठान के बाद अब टाइगर 3 में दोनों स्टार्स साथ नजर आएंगे। अब खबर आ रही है कि फिल्म में सलमान और शाहरुख का एक भारी–भरकम बजट वाला एक्शन सीक्वेंस होने जा रहा है। इस सीक्वेंस के लिए ?35 करोड़ का एक सेट बनाया गया है। सोर्सेस का कहना है कि फिल्म के प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा पर्दे पर इन दोनों स्टार्स की उपस्थिति को पूरी तरह भुनाना चाहते हैं। पठान की शानदार सफलता के बाद अब ऑडियंस को टाइगर 3 में भी बहुत कुछ नया देखने को मिल सकता है।

हाईवोल्टेज एक्शन सीक्वेंस का प्लान

हिंदुस्तान टाइम्स के सोर्सेस ने कहा, जब आपके पास एक फिल्म ही में सलमान और शाहरुख जैसे सुपरस्टार हो। फिर आपको उनके सुपर स्टारडम के साथ न्याय करना चाहिए। पठान के बाद अब टाइगर 3 में कुछ ऐसा होगा जो पहले कभी नहीं देखा होगा। टाइगर 3 में एक हाईवोल्टेज एक्शन सीक्वेंस प्लान करने की तैयारी हो रही है। आदित्य चोपड़ा ने भी इसके लिए कमर कस ली है। एक्शन सीक्वेंस ऐसा कि सालों तक याद रखा जाएगा इससे पहले एक सोर्सेस ने खुलासा किया था कि दोनों खान करीब सात दिनों तक साथ में शूटिंग करेंगे। पठान में लोगों ने जो एक्सपीरिएंस किया है, अब फिल्म के मेकर्स और डायरेक्टर मनीश शर्मा फिर से वहीं दिखाने की कोशिश में हैं। सोर्सेस के मुताबिक, एक एक्शन सीक्वेंस ऐसा होगा जो काफी सालों तक याद रखा जाएगा।

225 करोड़ होगा फिल्म का बजट

सलमान खान की ये मच अवेटेड फिल्म 10 नवंबर 2023 को दिवाली के मौके पर रिलीज होगी। फिल्म में सलमान के अलावा कटरीना कैफ और इमराम हाशमी भी दिखाई देंगे। ये फिल्म यशराज स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा होगी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म का कुल बजट 225 करोड़ होने जा रहा है।

टाइगर 3 के बाद भी नहीं थमेगा सफर

शाहरुख और सलमान सबसे पहले 1995 की फिल्म करण अर्जुन में नजर आए थे। ये फिल्म अपने समय में काफी बड़ी हिट थी। उसके बाद इन दोनों ने हम तुम्हारे हैं सनम में साथ काम किया। कुछ कुछ होता है में सलमान का गेस्ट अपीयरेंस था जिसे ऑडियंस ने काफी पसंद किया था। उसके बाद शाहरुख खान की 2018 में रिलीज फिल्म जीरो में भी सलमान का कैमियो था। अभी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म पठान में सलमान का दमदार कैमियो देखा गया था। अब यशराज फिल्म्स इन दोनों को साथ में एक फुल फिल्म में कास्ट करने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है।

ड्रेस कोड वाली बात कहकर गलती कर दी, मैं इस गलती से सीखूंगी और याद रखूंगी...

पलक तिवारी ने एक रिसेंट इंटरव्यू में कहा कि उन्होंने सलमान खान की ड्रेस कोड वाली बात कह कर गलती कर दी है। पलक ने कहा कि उनसे गलती हुई है और वो इस गलती को जिंदगी भर याद रखने की कोशिश करेंगी। दरअसल पलक ने कुछ दिन पहले कहा था कि सलमान खान के साथ काम करने वाली एक्ट्रेसेस को एक दायरे में रहना होता है। उन्हें लो नेकलाइन और एक्सपोजर वाले कपड़े पहनने को मना किया जाता है। पलक के इस स्टेटमेंट के बाद सलमान निशाने पर आ गए थे। ट्रोलर्स ने उन्हें दकियानूसी सोच का इंसान करार दे दिया था।

इस गलती को लाइफ टाइम याद रखूंगी

पलक ने बॉम्बे टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहा, मैं इसे एक लर्निंग एक्सपीरिएंस के तौर पर लूंगी। मैं इस गलती से सीखूंगी और लाइफ टाइम याद रखूंगी। मैं नहीं चाहती कि दोबारा मुझे इस चीज से गुजरना पड़े। सलमान सर एक बेहद समझदार इंसान हैं, उन्हें ये बात पता है कि मैं उनके बारे में कुछ भी गलत नहीं कहूंगी। पलक हाल ही में किसी का भाई किसी की जान में नजर आईं। उन्होंने फिल्म के प्रमोशन के दौरान कहा था, सलमान सर के सेट पर कोई भी लड़की लो नेकलाइन वाले कपड़े नहीं पहन सकती। सलमान सर ट्रेडिशनल सोच के इंसान हैं। वो सेट पर सभी लड़कियों से कहते हैं कि तुम्हें जो पहनना है पहनो, लेकिन हमेशा अपनी सुरक्षा बना के रखो। सलमान खान को आप की अदालत में ड्रेस कोड वाली बात पर सवाल किया गया था। उनसे कहा गया कि आप अपनी फिल्मों में शर्टलेस हो जाते हैं, आप अपनी बॉडी दिखाते हैं फिर महिलाओं के लिए इतना डबल स्टैंडर्ड क्यों। इसके जवाब में उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि एक महिला का शरीर काफी ज्यादा कीमती होता है। इसे जितना ढक के रखा जाए उतना ही अच्छा है। यहां बात लड़कियों की नहीं लड़कों की है। वे जैसे लड़कियों को देखते हैं, मुझे ये चीज पसंद नहीं आती है। मैं नहीं चाहता कि किसी की मां, बहन और बेटी इस चीज से गुजरे। पलक ने इस इंटरव्यू में अपनी मां श्वेता तिवारी के स्ट्रगल के दिनों को भी याद किया। उन्होंने कहा, जब वो (श्वेता) बाहर निकलीं तो रहने के लिए उनके पास सिर्फ एक चॉल था। उसमें सिर्फ एक बेडरूम की जगह थी। उस घर में नाना, नानी, मामा और मां एक साथ रहते थे। फिर वहीं से मां ने अपने करियर की शुरुआत की। मैं किसी चीज के हल्के में नहीं लेती हूं क्योंकि मैं जानती हूं कि ये चीज मुझे आसानी से नहीं मिली है। मेरी मां के बारे में मुझे ये एक चीज काफी अच्छी लगी कि उन्होंने उस वक्त सोच लिया था कि जो लाइफ उन्होंने जिया है वो अपने बच्चों को नहीं देना चाहती हैं। मेरे नाना–नानी शायद वो लाइफ मेरी मां को नहीं दे पाए जो मेरी मां ने हम लोगों को दी है।

15 साल बाद गजनी का सीक्वल बनाना चाहते हैं आमिर !

लाल सिंह चड्ढा के बॉक्स ऑफिस फेलियर के बाद आमिर खान ने दिन फिल्मों से ब्रेक ले लिया है। पिछले साल एक्टर ने फिल्म चैंपियन्स की अनाउंसमेंट की थी, लेकिन वह ठंडे बस्ते में चली गई। इस बीच खबरें आ रही हैं कि आमिर खान जल्द ही काम पर वापसी करने वाले हैं। माना जा रहा है कि आमिर साल 2008 में आई सुपरहिट रिवेंज ड्रामा फिल्म गजनी का सीक्वल बनाने जा रहे हैं। वो इन दिनों मेकर्स से फिल्म के बारे में डिस्कस भी कर रहे हैं। हालांकि, इस बात को लेकर आमिर की तरफ से ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है।

साथ काम करने के लिए एक्साइटेड हैं आमिर और अल्लू अरविंद

पीपिंगमून की रिपोर्ट के मुताबिक आमिर खान ने गजनी 2 के लिए साउथ का रुख किया है। एक्टर अल्लू अर्जुन के पिता अल्लू अरविंद के साथ काम करना चाहते हैं, इसलिए वो कई बार उनसे बात करने हैदराबाद भी जा चुके हैं। दोनों के बीच फिल्म को लेकर चर्चा चल रही है। सोर्स की मानें तो पिछले हफ्ते भी आमिर खान ने अल्लू अरविंद से मुलाकात की। दोनों ने कई प्रोजेक्ट के आइडिया के बारे में बातचीत की। दोनों साथ काम करने के लिए काफी एक्साइटेड हैं।

कुछ महीनों में फाइनल हो सकती हैं गजनी 2 की स्क्रिप्ट

सोर्सेस की मानें तो अल्लू अरविंद और आमिर 4–5 महीनों से कई मौकों पर मिलते रहे हैं। लेकिन प्रोजेक्ट से जुड़ी सभी चीजों को काफी सीक्रेट रखा गया है। इस प्रोजेक्ट पर अभी बातचीत ही चल रही है, अभी तक कुछ भी कंफर्म नहीं हुआ है। कहा जा रहा है कि आमिर और अल्लू अरविंद दोनों ही संजय सिंघानिया की कहानी को आगे लेकर जाना चाहते हैं और कुछ महीनों में स्क्रिप्ट फाइनल कर लेंगे। फिलहाल इस प्लान को अभी तक पूरी तरह से सीक्रेट रखा गया है।

आमिर खान को मिल रहे हैं ढेरों ऑफर्स

खबरों की मानें तो आमिर खान को इन दिनों फिल्म इंडस्ट्री से कई ऑफर्स मिल रहे हैं। कहा जा रहा है कि वो एक स्ट्रॉन्ग कंटेंट ड्रामा के लिए स्नेहा रजनी के साथ बातचीत कर रहे हैं। उन्हें जूनियर एनटीआर के साथ प्रशांत नील की पैन इंडिया मूवी ऑफर की गई है, हालांकि आमिर इस प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत कर रहे हैं।

आर्या 3 के लिए सुष्मिता सेन सीख रही हैं तलवारबाजी

सुष्मिता सेन इन दिनों आर्या 3 की शूटिंग में बिजी हैं। खास इस सीरीज के लिए एक्ट्रेस कलरीपयट्टू की ट्रेनिंग ले रही हैं। शुक्रवार को सुष्मिता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो सेलिब्रिटी ट्रेनर सुनील के साथ भारतीय मार्शल आर्ट फॉर्म कलरीपयट्टू सीखती नजर आ रही हैं। पोस्ट शेयर करते हुए सुष्मिता ने ट्रेनर को शुक्रिया कहा है।

सुष्मिता ने ट्रेनर को कहा शुक्रिया

चर्चित वीडियो में एक्ट्रेस पहले ट्रेनर से ट्रेनिंग लेते नजर आती हैं और इसके बाद खुद दमदार अंदाज में तलवारबाजी करती हैं। सुष्मिता ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा– 'आप अनोखे हैं सर! आपके और कलरीपयट्टू की कला के लिए बहुत प्यार और सम्मान है। हम यहां आर्या 3 की तैयारी कर रहे हैं।' सुष्मिता के इस पोस्ट पर सेलिब्रिटी ट्रेनर ने जवाब देते हुए कहा– सुंदर शब्दों के लिए धन्यवाद मैम। आर्या 3 में आपके और टीम के साथ काम करना सम्मान की बात थी।

फैंस ने बढ़ाया सुष्मिता का हौसला

सोशल मीडिया पर सुष्मिता का यह वीडियो बेहद पसंद किया जा रहा है। एक्ट्रेस के फैंस वीडियो पर जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। एक फैन ने कमेंट सेक्शन में लिखा– क्या जबरदस्त कमबैक है क्वीन। दूसरे फैन ने लिखा– 'आप एक प्रेरणा हैं।' तीसरे फैन ने कहा– हमें आर्या 3 का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार है।

सुष्मिता ने शेयर किया था वीडियो

बीते दिनों हार्ट अटैक से रिकवर होने के बाद एक्ट्रेस ने आर्या 3 के सेट पर वापस लौटकर एक वीडियो शेयर किया था। उस वीडियो में एक्ट्रेस पहली बार तलवारबाजी करते हुए नजर आई थीं। तब एक्ट्रेस की स्किल्स ने फैंस का ध्यान अपनी तरफ खींचा था।

रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी 13 में बतौर पार्टिसिपेंट आएंगी नजर

बॉलीवुड एक्ट्रेस डेजी शाह आखिरी बार सलमान खान की फिल्म रेस 3 में नजर आई थीं। फिल्मों के हाथ आजमाने के बाद एक्ट्रेस अब छोटे पर्दे पर डेब्यू के लिए तैयार हैं। डेजी जल्द ही रियलिटी शो खतरों के खिलाडी 13 से अपना टेलीविजन डेब्यू करने वाली हैं। सूत्रों की माने तो शो मेकर्स और डेजी के बीच पिछले तीन हफ्तों से बातचीत चल रही थी, हालांकि अभिनेत्री ने कुछ दिनों पहले ही फाइनल कॉन्ट्रैक्ट साइन किया।

शो में मिलने वाले टास्क को लेकर कन्फ्यूज थीं डेजी

टीवी शो खतरों के खिलाड़ी से जुड़े करीबी बताते हैं, 'शो के प्रोडक्शन टीम ने जब पहली बार डेजी के सामने शो में पार्टिसिपेट करने की बात रखी, तब उन्होंने इंटरेस्ट जरूर जताया, हालांकि तब उन्होंने कन्फर्म नहीं किया था। शुरुआत में वो शो में होने वाले टास्क को लेकर निश्चित नहीं थीं।

डेजी के करियर की बात करें तो, साल 2014 में उन्होंने फिल्म जय हो में सलमान खान की हीरोइन के तौर पर काम किया। जय हो के बाद डेजी शाह को बॉलीवुड की और भी कई फिल्मों में काम करने का मौका मिला। वह हेट स्टोरी 3 और रेस 3 जैसी फिल्मों में भी नजर आई थीं, लेकिन यह फिल्में बॉक्स ऑफिस पर वो कमाल नहीं दिखा पाई। डेजी शाह के अलावा बता दें, डेजी शाह के अलावा, शिव ठाकरे, अंजुम फारिख, अंजलि आनंद, नायरा बनर्जी, रूही चतुर्वेदी, अर्जित तनेजा, अर्चना गौतम, साउंडूस (स्प्लिट्सविला विनर) भी बतौर कंटेस्टेंट पार्टिसिपेट करेंगे।